RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः143, रविवार, 01 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

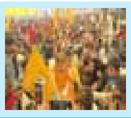
हरसिद्धि में बोले प्रशांत किशोर- नेताओं के चेहरे पर नहीं, बच्चों के भविष्य के लिए दें वोट... 03

हरसिद्धि में 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरता को समर्पित तिरंगा यात्रा का आयोजन 04

परम सुंदरी का टीजर रिलीज, प्यार में डूबे सिद्धार्थ-जान्हवी इंटरनेट पर... 07

अंतरिक्ष में बीज उगाने जैसे 7 तरह के होंगे प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के आगामी मिशन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट में बताया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण से जुड़े प्रयोग करेंगे। इसरो के आधिकारिक बयान के अनुसार, 7 माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों का चयन किया गया है। ये विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों के भारतीय शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तावित किए गए हैं। ये प्रयोग मानव स्वास्थ्य, जीव विज्ञान, मेटरियल रिसर्च, नई दवाओं के विकास और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 8 जून को शुरू होने वाले इस मिशन में शुभांशु शुक्ला कई तरह के प्रयोग करने वाले हैं। इनमें माइक्रोएल्गी पर अंतरिक्ष

गगनयात्री शुभांशु शुक्ला करने वाले हैं कई कारनामे

के विकिरण का असर और सलाद के बीजों का अंतरिक्ष में उगना अहम है। साथ ही, टार्डिग्रेड नाम के छोटे जीवों की अंतरिक्ष में जीवित रहने और प्रजनन की क्षमता, मांसपेशियों के विकास पर पूरकों का प्रभाव और खाद्य फसलों के बीजों की वृद्धि का भी आंकलन किया जाएगा। इन सारे प्रयोगों में आईएसएस की सुविधाओं का इस्तेमाल होगा और इन्हें सख्त जांच के बाद ही वहां ले जाया जाएगा। इसरो के लिए यह मिशन बहुत खास है, क्योंकि पहली बार कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर जाएगा। शुभांशु शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इस मिशन में यूरोप के स्लावोस उज्नांस्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के तिबोर कपु भी शामिल होंगे। मिशन की कमान पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन के हाथ में होगी।

नार्थ-ईस्ट भारत में भारी बारिश से भीषण तबाही

आईजोल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के राज्यों में मॉनसून पहुंचने से पहले ही भारी बारिश हो रही है। मिजोरम और असम का भारी बारिश से बुरा हाल है। दक्षिणी मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में पांच मकान और एक होटल के ढह जाने से कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे लॉन्गतलाई के बाजार वेंग और चांदमारी इलाकों के सीमावर्ती इलाके में भूस्खलन की चपेट में आने से मकान और होटल ढह गए। उन्होंने कहा कि होटल में ठहरे म्यांमार के कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि लॉन्गतलाई जिले के सबसे बड़े नागरिक समाज संगठन 'यंग लाई एसोसिएशन' (वाईएलए) के स्वयंसेवकों के साथ-साथ राज्य आपदा मोचन बल (एसआरडीएफ) और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन के कर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। पूर्वोत्तर राज्य में शुक्रवार से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसके कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बीते 48 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते असम की सरकार ने स्कूल और कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है। कर्मचारियों के लिए भी आकस्मिक छुट्टी की घोषणा की है।

- भरभराकर ढहे मकान, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बन गया है

- भोपाल से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को फिर दे दी चुनौती
- कहा-आतंकियों के मददगारों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर पाकिस्तान को चुनौती दी है। भोपाल मे उन्होंने कहा कि गोली का जवाब गोले से मिलेगा। सिंदूर भारत के शौर्य का प्रतीक बन गया है। मोदी ने कहा कि आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी थी। यही चुनौती उनके और उनके आकाओं को लिए काल बन गई। हमारी सेना ने दुश्मन के घर में सैकड़ों किमी दूर घुसकर उनके आतंकी ठिकानों को तबाह किया। अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा उसे भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पीएम ने भोपाल में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में कुल 39 मिनट 38 सेकेंड का भाषण दिया। इस दौरान देवी अहिल्याबाई के बारे में 25 मिनट 55 सेकेंड बोलने के बाद उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलना शुरू किया। सेना और उसके शौर्य पर उन्होंने 6 मिनट 58 सेकेंड तक तक बोला। इस अवधि में उन्होंने कुल 7 बार सिंदूर का जिक्र किया। डंके की चोट पर कह दिया है कि आतंकियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा। अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा उसे भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। 140 करोड़ देशवासी कह रहे हैं अगर तुम गोली चलाओगे, मान के चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पहलगाम में

आतंकियों ने सिर्फ भारतीयों का खून ही नहीं बहाया उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। उन्होंने समाज को बांटने की कोशिश की। सबसे बड़ी बात आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है।

75 परसेंट से ज्यादा लाभार्थी हमारी माता-बहनें हैं

2014 से पहले 30 करोड़ बहनें ऐसी थी, जिनके बैंक खाते ही नहीं थे। हमारी सरकार ने उनके खाते खुलवाए और अलग-अलग योजनाओं के पैसे उनके खातों में भेज रही है। मुद्रा योजना से बिना गारंटी के लोन मिल रहा है। मुद्रा योजना की 75 परसेंट से ज्यादा लाभार्थी हमारी माता-बहनें हैं। देश में 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं। आज सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, ताकि हमारी माताओं-बहनों को असुविधा न हो। बेटियां अपनी पढ़ाई में ध्यान दे सकें। करोड़ों लोगों के पास पहले बिजली, एलपीजी और टॉयलेट जैसी सुविधाएं भी नहीं थीं। ये सुविधाएं भी हमारी सरकार ने पहुंचाईं। ये सिर्फ सुविधाएं नहीं हैं, ये माताओं-बहनों के सम्मान का हमारी तरफ से नम्र प्रयास है।

- **लोकमाता देवी अहिल्या के काम से सरकार को ऐसे जोड़ा-** पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार लोकमाता देवी अहिल्याबाई के मूल्यों पर चलते हुए काम कर रही है। नागरिक देवो भव:, ये आज गवर्नेंस का मंत्र है। सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं, बहनें-बेटियां हैं। गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए जा चुके हैं। इनमें से ज्यादातर घर हमारी माताओं-बहनों के नाम हैं। इनमें से कई माताएं-बहनें ऐसी हैं, जिनके नाम पर पहली बार कोई संपत्ति दर्ज हुई हैं। कई बहनें पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। आज सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, ताकि हमारी माताओं, बहनों को असुविधा न हो। बेटियां अपनी पढ़ाई में ध्यान दे सकें। करोड़ों लोगों के पास पहले बिजली, एलपीजी और टॉयलेट जैसी सुविधाएं भी नहीं थीं। ये सुविधाएं भी हमारी सरकार ने पहुंचाईं। ये सिर्फ सुविधाएं नहीं हैं, ये माताओं-बहनों के सम्मान का हमारी तरफ से नम्र प्रयास है। इससे उनके जीवन से अनेक मुश्किलें कम हुई हैं। पहले माताएं-बहनें अपनी बीमारियों छिपाने पर मजबूर थीं। गर्भावस्था के दौरान अस्पताल जाने से बचती थीं।

शशि थरूर ने दिलाई भारत को बड़ी कामयाबी

ऑपरेशन सिंदूर पर बयान बदलने को तैयार हुआ कोलंबिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के रुख को दुनिया के सामने रखने के लिए अलग-अलग देशों में गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को बड़ी सफलता मिली है। 7 मई को पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों की मौतों पर संवेदना व्यक्त करने वाला कोलंबिया अपने बयान को बदलने के लिए तैयार हो गया है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, उन्होंने अपना वह बयान वापस ले लिया है, जिससे हमें पहले निराशा हुई थी अब वह हमारे समर्थन में एक बयान जारी करेंगे। थरूर का यह बयान उनके पिछले बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर कोलंबिया द्वारा अपनाए गए रुख पर निराशा जाहिर की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत और भारतीय जनता पार्टी के नेता तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि कोलंबिया सरकार के सामने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत सरकार का पूरा पक्ष रखा है। प्रतिनिधिमंडल के विस्तृत स्पष्टीकरण ने कोलंबिया के रुख को पलटने में मदद की। उन्होंने कहा, आज सुबह हमारे नेता और कोलंबिया के कार्यवाहक विदेश मंत्री के बीच में लंबी चर्चा हुई। पूरी टीम ने उन्हें समय सीमा समझाते हुए.. पूरी घटना की जानकारी दी। शायद इससे पहले उनके द्वारा दिए गए बयान में घटनाक्रम के कुछ मुख्य बिंदु छूट गए थे। इसकी वजह से उन्होंने ऐसा बयान दिया था।

ब्रह्मोस के नए अवतार से कांप उठेंगे दुश्मन

रेंज भी हुई दोगुनी, मारक ताकत में भी इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब सिर्फ लाहौर, इस्लामाबाद या रावलपिंडी नहीं, चीन के अंदर गहराई तक मौजूद सैन्य ठिकानों को भी भारत के ब्रह्मोस मिसाइल से निशाना बनाया जा सकेगा। भारत और रूस की संयुक्त परियोजना से बनी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को अब और अधिक घातक बनाने की दिशा में पांच बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। 'ऑपरेशन सिन्दूर' में ब्रह्मोस की कामयाबी के बाद यह फैसला लिया गया है। ब्रह्मोस नाम दो नदियों भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मस्कोवा से मिलकर बना है। इसे तैयार किया है ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड ने, जो भारत की और रूस का संयुक्त उपक्रम है। फिलहाल ब्रह्मोस मिसाइल चार रूपों में भारतीय सेना के पास है जो जमीन से ट्रक के जरिए, युद्धपोतों से, सुखोई-30 फाइटर लड़ाकू विमान से और पनडुब्बी से दागे जाने वाली प्रणाली है। यह पारंपरिक विस्फोटक के साथ-साथ न्यूक्लियर हथियार भी ले जाने में सक्षम है

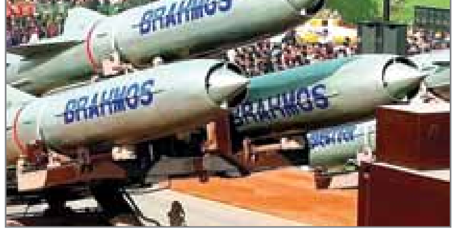

और इसकी गति ध्वनि की गति से तीन गुना है। एनडीटीवी की रिपोर्ट की मानें तो अब जो नए बदलाव हो रहे हैं, उनमें सबसे बड़ा है इसकी रेंज, जो 290-400 किमी से बढ़कर अब 800 किमी तक पहुंच जाएगी। साथ ही इसे सुपरसोनिक से हाइपरसोनिक मिसाइल की श्रेणी में लाया जा रहा है, यानी इसकी गति अब ध्वनि से पांच गुना अधिक हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस ने पहले ही ब्रह्मोस मार्क-2 का परीक्षण शुरू कर दिया है और यह जल्द ही भारतीय सेना के जखीरे में भी शामिल हो सकता है।

सीडीएस से सवाल-

पाकिस्तान ने कितने भारतीय फाइटर जेट युद्ध में गिराए

- जनरल चौहान ब्लूमबर्ग से बोले-महत्वपूर्ण यह नहीं, विमान गिरे, जरूरी यह-क्यों गिरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारतीय फाइटर जेट गिरने पर बात की। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। सीडीएस ने यह बात सिंगापुर में ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में कही। वे यहां शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के मुताबिक यह एक नॉन कॉन्टेक्ट, मल्टी डोमेन मिशन था, जिसमें साइबर हमले और नैरेटिव के खिलाफ अभियान, खुफिया क्षमताओं का प्रदर्शन जैसे पहलू शामिल थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारा 15 फीसदी समय केवल फेक नैरेटिव का मुकाबला करने में ही लग गया। सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग के दौरान बोलते हुए जनरल चौहान ने कहा कि 7 मई को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर में हम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के युद्ध लड़ रहे थे। यह लड़ाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारी तरफ से आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद शुरू हुई थी। यह लड़ाई भविष्य के युद्धों का एक उदाहरण है। सीडीएस चौहान ने सीमा पर भारतीय सेना के आधुनिकीकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास चीनी हथियार थे और उनके पास चीनी सैटेलाइट तस्वीरों का प्रयोग करने की स्वतंत्रता थी लेकिन इसके बाद भी वह भारत पर की गई कार्रवाई के अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दे पाए.. क्योंकि वह ऐसा करने में सफल हुए ही नहीं। वहीं दूसरी तरफ भारत ने आकाश जैसी स्वदेशी प्रणालियों पर भरोसा किया, प्रभावी सिस्टम नेटवर्किंग के माध्यम से सफलता प्राप्त की। हमारी घरेलू और विदेशी दोनों रडार सिस्टम के बीच में एक बेहतर रक्षा संरचना बनी हुई थी, जिसका हमें लाभ भी मिला।

लैंड फॉर जॉब में लालू यादव को लगा तगड़ा झटका

- दिल्ली हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट की कार्यवाही पर रोक से किया इनकार

पटना (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया है। जिसमें उन्होंने 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले से संबंधित कथित भ्रष्टाचार मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस घोटाले की जांच सीबीआई ने की थी। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा था कि इस मामले में प्राथमिकी व जांच कानूनसंगत नहीं है। याचिका में तर्क दिया गया कि जब प्राथमिकी और जांच ही सही नहीं है, तो आरोप पत्र कानूनी रूप से कायम नहीं रह सकता। इस मामले में सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व केन्द्रीय मंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की पूर्व मंजूरी प्राप्त करने में विफल रही है। यह कानून की अनिवार्य आवश्यकता है। सिब्बल ने कहा सत्र अदालत 2 जून को आरोपों पर दलीलें सुनने वाला है। सीबीआई की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डी.पी. सिंह ने याचिका का विरोध किया।

यूपी पंचायत चुनाव में इस बार 500 प्रधान ज्यादा बनेंगे

- 75 नए ब्लॉक प्रमुख भी होंगे, शासन ने डीएम और डीपीआरओ से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। पंचायतीराज विभाग और ग्राम्य विकास विभाग ने प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियां शुरू कर दी है। इस बार 500 नए ग्राम प्रधान

बनेंगे। साथ ही 75 ब्लॉक प्रमुख भी पहली बार बनेंगे। पंचायतीराज राज विभाग ने जहां पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया को शुरू किया है। वहीं ग्राम्य विकास विभाग नए ब्लॉक के गठन की तैयारी कर रहा है। सभी जिलाधिकारियों और जिला पंचायतराज अधिकारियों से 5 जून तक रिपोर्ट मांगी गई है। पंचायतीराज चुनाव 2021 के दौरान यूपी में 58 हजार 189 ग्राम पंचायतें और 826 ब्लॉक (विकासखंड) थे, लेकिन नगरीय निकाय चुनाव के दौरान सरकार ने करीब 107 नई नगर पंचायतों का गठन किया था। नई नगर पंचायतों के गठन के चलते 494 ग्राम पंचायतों को शहरी सीमा में शामिल किया था। अब 57 हजार 695 ग्राम पंचायतें बची हैं। पंचायतीराज विभाग के अधिकारी ने बताया, एक ग्राम पंचायत में कम से एक एक हजार की आबादी होनी चाहिए। यूपी में कई ग्राम पंचायतें ऐसी हैं, जिनकी आबादी तीन-चार हजार से अधिक है। जिन ग्राम पंचायतों की आबादी अधिक और पंचायत में गांव की संख्या भी अधिक है, उन्हें अलग कर नई ग्राम पंचायत का पुनर्गठन किया जाएगा। प्रदेश में करीब 500 नई ग्राम पंचायतों का गठन किया जाएगा। इनका चुनाव भी इस बार पंचायत चुनाव के साथ ही होंगे, यानी 500 ज्यादा प्रधान चुने जाएंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने 2022 में प्रदेश में 75 नए ब्लॉक बनाने की घोषणा की थी। मौर्य का कहना है कि कुछ ब्लॉक बहुत बड़े-बड़े हैं। वहां जनता से जुड़े काम और विकास कार्य कराने में भी दिक्कत होती है।

राजनीतिक हित के हिसाब से होगा परिसीमन

पंचायतीराज विभाग के अधिकारी बताते हैं कि यह पहले से होता रहा है कि सत्तारूढ़ दल के हिसाब से ही ग्राम पंचायत और विकासखंड का पुनर्गठन होता है। नए विकासखंड में सत्तारूढ़ दल के वोट बैंक वाली ग्राम पंचायतों को ही शामिल किया जाता है। ताकि सरकार से जुड़े दल के ज्यादा से ज्यादा ब्लॉक प्रमुख चुनाव जीतकर आएं। उधर, राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि पंचायत चुनाव को विधानसभा चुनाव 2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। लिहाजा भाजपा और योगी सरकार की ओर से ग्राम पंचायतों और ब्लॉक का गठन इस तरह कराया जाएगा कि ताकि पंचायत चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव में भी उसका राजनीतिक लाभ उठाया जा सके। राज्य निर्वाचन आयोग के पूर्व आयुक्त एसके अग्रवाल ने कहा, पंचायत पुनर्गठन के पीछे राजनीतिक और प्रशासनिक कारण भी रहते हैं। यह सही है कि परिसीमन और पुनर्गठन सरकार के स्तर से ही होता है। ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन में भाजपा, सपा, अपना दल, रालोद, सुभासपा, निषाद पार्टी और कांग्रेस के विधायक भी सक्रिय हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

एंटी रैबीज जो दवा बेची गई वह सदर अस्पताल की ही थी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। गुड़गांव में बेची गई एंटी रैबीज की दवा इम्यूनोग्लोबिन मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल की ही थी। विभागीय जांच में इसकी पुष्टि हुई है। एक हफ्ते पहले स्वास्थ्य विभाग से जिले को पत्र लिखकर कालाबाजारी में शामिल दवाओं के बैच नंबर मांगे गये थे। जिले से बैच नंबर भेजने के बाद इसकी जांच की गई। जांच में जो बैच नंबर गुड़गांव में मिला था वही बैच नंबर सदर अस्पताल की दवाओं का भी था। एंटी रैबीज के कालाबजारी में सदर अस्पताल का एक कर्मचारी गिरफ्तार भी किया गया था। दो साल पहले गुड़गांव पुलिस ने सदर अस्पताल में छापामार कर उसे गिरफ्तार किया था। इसके बाद मामले की विभागीय जांच की जा रही थी। जिस एंटी रैबीज दवा की कालाबाजारी की गई थी उसके एक वाइल का मूल्य आठ से दस हजार रुपये तक है। बड़ी संख्या में सदर अस्पताल से यह दवाएं हरियाणा और दूसरे राज्यों में बेची गई थीं। इस मामले में सदर अस्पताल में आउट सोर्सिंग में काम कर एक कर्मचारी को बर्खास्त भी कर दिया गया था। सदर और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति बीएमएसआईसीएल करती है।

बुजुर्ग दिव्यांग मतदाता पोस्टल बैलेट पर करेंगे मतदान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। चुनाव प्रक्रिया में दिव्यांगों की भागदारी बढ़ाने के लिए डीएम सुब्रत कुमार सेन ने शुक्रवार को बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में दिव्यांगों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विचार किया गया। डीएम ने कहा कि इच्छा व्यक्त करने वाले सभी दिव्यांगों से फॉर्म डी भरवाएं, ताकि चुनाव के समय उन्हें घर से ही पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट डालने की सुविधा मिल सके। डीएम ने कहा कि चुनाव आयोग ने पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए पोस्टल वैलेट के माध्यम से होम वोटिंग की सुविधा प्रदान की है। निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के पांच दिनों के भीतर उक्त कोटि का कोई भी वोटर प्रपत्र 12 डी में आवेदन देकर पोस्टल बैलेट की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में इन सभी प्रावधानों का सक्रियता के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। योग्य पीडब्ल्यूडी व 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग वोटर जिनके द्वारा होम वोटिंग के माध्यम से मतदान नहीं किया जाएगा। वे मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। बैठक में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग को उनके माध्यम से पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों, सिविल सोसाइटी संगठन जो दिव्यांगजन कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं उन्हें अधिक से अधिक मतदान प्रक्रिया से जोड़ने को योजना बनाने का निर्देश दिया गया। जिले में करीब साढ़े 27 हजार दिव्यांग मतदाता : 29 मार्च 2025 तक वोटर लिस्ट में पीडब्ल्यूडी वोटर की कुल संख्या 27468 है। विधानसभावार बात करें तो गायघाट में 2865, औराई में 3780, मीनापुर में 2673, बोचहां में 1874, सकरा में 2504, कुढ़नी में 2254, मुजफ्फरपुर में 1210, कांटी में 3021, बरुराज में 1840, पारू में 3088 व साहेबगंज में 2359 दिव्यांग मतदाता है। बैठक में डीडीसी श्रेष्ठ अनुपम, सीएस डॉ. अजय कुमार, एसडीएम पश्चिमी श्रेयाश्री, डीईओ अजय कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी सत्यप्रिय कुमार, सचिव बाबा गरीब नाथ विकलांग-सह-जनसंस्थान कलमबाग चौक सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छपरा में शराब पार्टी का खुलासा

छपरा, एजेंसी। छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के नाका नंबर वन पर गुरुवार की रात शराब पार्टी का खुलासा हुआ। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पार्टी में खुद नाका प्रभारी सब इंस्पेक्टर श्याम बिहारी पांडे शामिल थे। उनके साथ एक और पुलिसकर्मी और तीन स्थानीय लोग भी पार्टी का हिस्सा थे। सूत्रों के मुताबिक, बीती रात एक स्थानीय युवक ने इस शराब पार्टी का वीडियो बनाकर सीधे एसपी कुमार आशीष को भेज दिया। वीडियो देखते ही एसपी आगबबूला हो उठे और उन्होंने खुद एडिशनल एसपी के साथ मौके पर छापेमारी की। यह जगह डीआईजी आवास के ठीक बगल में बताई जा रही है। जिससे मामला और भी संगीन हो गया। छापेमारी के दौरान पांचों लोगों को शराब पीते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। कोई सफाई देने का मौका भी नहीं मिला और पांचों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया।

कम बारिश से 15 हजार एकड़ में फैली कावर झील सूखी : परिंदे उड़े, मछलियों ने तोड़ा दम

16 गांव के 2000 मछुआरों का परिवार प्रभावित

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के मंझौल अनुमंडल में कावर झील स्थित है। एक समय में एशिया में मीठे पानी का सबसे बड़ा झील और बिहार का सबसे पहला रामसर साइट कावर का अस्तित्व अब खत्म होने की कगार पर है। कावर में साल भर पानी भरा रहता था, बड़ी संख्या में पर्यटक नाव से झील की सैर करते थे। कहते है कि काबर का कमल खुद की तरह लोगों को खिला-खिला रखता था। लेकिन आज वह कवर सूख गया है। 15 हजार एकड़ से अधिक में फैले इस झील के 15-20 एकड़ एरिया में ही पानी बचा है। जब कांवर सूख गया, पानी ही नहीं है तो इसके सहारे जीविकोपार्जन करने वाले हजारों मछुआरे परदेस की ओर पलायन कर गए हैं। 2000 परिवार प्रभावित है। पर्यटकों को घूमाने वाली नाव सूखी जगह पर जमा होकर अपने अस्तित्व की तलाश में है। परिंदे उड़ चुके हैं, तो मछलियां दम तोड़ चुकी है।

पानी के बगैर तड़प कर मर रहे सांप : हालत यह हो गई है कि काबर के पानी में हजारों की संख्या में पाए जाने वाले ढोरबा सांप पानी के बगैर तड़प कर मर रहे हैं। पानी सूख जाने पर किसानों को लगा की खेती आसान हो जाएगा। लेकिन जल स्तर इतना गिर गया है कि सिंचाई पर आफत आ गई है। पशु-पक्षी, जीव-जंतु ही नहीं आम लोग भी त्राहिमाम कर रहे हैं। पक्षी विहार की। 15000 एकड़ से अधिक में फैला यह काबर झील चारों ओर से बखरी और मंझौल अनुमंडल के 16 गांव से घिरा हुआ है। बीच में जयमंगला माता का मंदिर श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है।

बांध टूटने से पानी का बहाव हुआ था कम : काबर झील के पानी से जैव विविधता बनी रहती थी। आसपास के गांव में पानी का लेयर अच्छा रहता था। साल 2007 में जब बूढ़ी गंडक नदी पर बसही में बना बांध काबर की ओर टूट गया तो नदी के बाद कीचड़ भर जाने से यहां पानी का भराव कम होता गया। आज स्थिति यह हो गई है की काबर पूरी तरह से सूख गया। पहले गांव में हो बारिश होती थी तो वह पानी काबर झील में गिरता था। सड़कों के बनने और नालियां गांव के आसपास सिमट जाने के कारण वह पानी काबर में जाना बंद हो गया।

चापाकल या बोरिंग से मवेशी को पिला रहे पानी : किसान राजो यादव ने बताया कि चैत के महीने से ही झील सूखना शुरू हो गया। इस बार बारिश भी नहीं हुआ, बारिश से ही यह अधिक डूबता था। जिसके कारण सूख गया, पानी नहीं मिल रहा है। हजारों पशुपालक मवेशी लेकर यहां रहते हैं। अब मजबूरी में चापाकल या बोरिंग से पानी पिला रहे हैं। पहले काबर में कभी फसल नहीं लगता था, हमेशा पानी लबालब रहा करता था। बाबूलाल राम ने बताया कि 2007 के बाद धीरे-धीरे काबर की स्थिति बिगड़ती चली गई। 3 महीना पहले इस बार काबर सूख गया, जब से होश आया तब से देखते रहे कि सालों भर पानी रहता था। कभी सूखता नहीं था, 2007 में बाढ़ आया, उससे कीचड़ भर गया। जल क्षेत्र में गाद भर गया तो यह सूखता चला गया। एक समय था जब यहां धान की कटनी करने दूसरे जिले से भी लोग आते थे। सूख जाने से काफी परेशानी है, मवेशी को पानी नहीं मिलता है। मछली नामी था, अब वह मछली नहीं मिल रहा है।

जमीन पर पड़ा है नाव : बरौनी से काबर झील घूमने आए यमुना प्रसाद ने बताया कि जयमंगला माता की पूजा-अर्चना करने आए। सोचे थे की काबर झील घूमेंगे, लेकिन यहां आकर देखा तो पूरा काबर झील ही सूखा हुआ है। काबर झील का बहुत नाम था, इसीलिए नाव से घूमने आए थे, लेकिन यहां नाव जमीन पर पड़ा हुआ है। काबर के किसान और सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश विक्रम ने बताया कि पूरे एशिया में मीठे जल के लिए प्रसिद्ध हमारा यह काबर झील रोजगार का बड़ा साधन था। हजारों-हजार पर्यटक काबर की सैर करने आते थे। लेकिन पानी सूख जाने के कारण नाविक परदेस जाने को मजबूर हो गए हैं। पानी रहता था तो किसान उससे खेत में सिंचाई करते थे, वह भी खत्म हो गया। यह क्षेत्र पानी के बिना सूना-सूना हो गया है। यहां का पानी और मछली औषधि के रूप में माना जाता था, लोग आते रहते थे। किसान, मजदूर, मछुआरा सब परेशान हैं। पानी नहीं रहने से न मछली निकलेगी, न खेत में पटवन हो सकेगा।

सरकार पानी के लिए कोई उपाय नहीं करती है। हमारा काबर पूरी तरह से सूख गया है। तीन-चार साल से सूखना शुरू हुआ, मजदूर हैं, नाव चलाते थे। करीब डेढ़ सौ लोग हैं, जो काबर में नाव चलाकर गुजर-बसर करते हैं। पानी सूख गया तो कुछ गांव में मजदूरी करते हैं, कुछ परदेस में काम करने के लिए चले गए हैं। 16 गांव के सैकड़ों मछुआरे काबर झील में मछली मार कर पालन पोषण करते थे।

प्रकृति की खूबसूरती को फिर से करें बहाल : अविनाश कुमार गुप्ता ने बताया कि काबर सूखने का प्रभाव हर आम-आवाम पर पड़ा है। काबर महादलित समुदाय, बंदर और मछली के लिए जाना जाता है। पानी नहीं रहने के कारण मछुआरे और नाविक का व्यवसाय बंद हो गया है। नाविक का जीवन परेशान हो रहा है। इस पर कोई पहल नहीं हो रहा है। हम लोगों का हृदय रो रहा है। चाहता हूं कि प्रकृति की जो खूबसूरती यहां थी, उसे फिर से बहाल कराया जाए। पर्यावरण विद् शिव प्रकाश भारद्वाज कहते हैं कि काबर सूखने का सबसे बड़ा कारण हम इंसानों का स्वार्थ है। जल ही जीवन है, यह सिर्फ कहने के लिए नहीं, हकीकत में होनी चाहिए।

पानी आने का रास्ता लोगों ने किया बंद

जल रहेगा तो पर्यटन का फैलाव होगा, मछुआरे और किसान समृद्ध होंगे। लेकिन इसके लिए वहां जल रोकने के लिए लोगों को प्रयास करना होगा। काबर सूखने का सबसे बड़ा कारण है कि पानी आने का रास्ता लोगों ने बंद कर दिया है। बारिश का पानी जमा होता है तो उसे बाहर निकाल दिया जाता है। बरसात में पानी जमा नहीं होने देते, बरसाती पानी का जो कनेक्शन था, उसे ब्लॉक कर दिया गया है। काबर सूखने का बड़ा असर है। जल बचाने के लिए लोगों को आगे आना होगा। वहां मछली, मखाना, पर्यटन से पैसा आ सकता है। इसके लिए झील को पुनर्जीवित किया जाए।

डीएम ने विकास की कही बात

डीएम तुषार सिंगला ने बताया कि काबर झील का समेकित विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा में आए थे तो उन्होंने काबर का हवाई सर्वेक्षण किया, जानकारी ली। करीब साढ़े 35 करोड़ रुपए की लागत से इसका विकास किया जाएगा। कैबिनेट से स्वीकृति मिल चुकी है। कार को जोड़ने वाले सभी नालों की उड़ाही कराई जाएगी। जिससे काबर झील को पर्याप्त जल मिलेगा। बूढ़ी गंडक नदी से काबर को कनेक्ट किया जाएगा। प्रवासी पक्षियों और अन्य जलीय जीवों के आश्रय के लिए बेहतर परिस्थिति तंत्र का विकास किया जाएगा। इको टूरिज्म, मत्स्य पालन, नरकट से हस्तशिल्प निर्माण, पक्षी मार्गदर्शन, नौकायन की योजना पर किया जाएगा।

काबर में करोड़ों लीटर पानी जमा करके रखा जा सकता है। यह रामसर साइट एशिया में बड़ा मीठे पानी का सबसे बड़ा झील है। लेकिन हम लोग पानी को नहीं बचा पा रहे हैं।

2000 मछुआरों का परिवार प्रभावित

एक तो झील परिक्षेत्र में भरा कीचड़ ऊपर से काबर में आने वाले जल स्रोतों के बंद होने और बारिश कम होने के कारण इस साल काबर सूख गया है। काबर में 16 गांव के 2000 से अधिक मछुआरा परिवार जुड़े हुए हैं। यह लोग काबर की प्रसिद्ध मछली को पकड़ कर अपना परिवार चलाते थे। सूख जाने से मछलियां समाप्त हो गई तो मछुआरे या तो दूसरे काम में लग गए या फिर पलायन कर गए। यहां बड़ी संख्या में लोग पर्यटन करने आते थे, नौका विहार करते थे। नौका विकार के लिए 100 से अधिक नाव जयमंगला गढ़ टीला के नीचे लगी रहती थी। नाविक पर्यटकों को पूरे काबर का दौरा कराते थे। लेकिन वह सभी नाव अब सूखे में पड़ी हुई है। नाव के मालिक परेशान हैं कि उनकी संपत्ति बर्बाद हो रही है। दिनभर कोशिश करने के बाद अपने साथियों के साथ करीब 2 सिंघी मछली लेकर आए गौरव ने बताया कि पानी सूख गया है, तो मछली नहीं मिलता है। पानी रहता था तो खूब मछली पकड़ कर जीवन यापन करते थे। जाल लगाकर मछली निकालते थे। हमारे पास नाव भी है, लेकिन पानी सूख गया तो नाव भी नहीं चल सकता है, न मछली मिलता है। अब मजदूरी करने के शिवा कोई उपाय नहीं है। नाविक अर्जुन सदा ने बताया कि पानी में रहने वाले जीव-जंतु मर रहे हैं। बड़ी संख्या में सांप की मौत हो रही है। थोड़ा सा पानी बचा है बहुत दूरी में, जिसके कारण साइड के सांप-कीड़े मर रहे हैं।

18 महीने में बनेगा हार्डिंग पार्क टर्मिनल, 85 ट्रेनें चलेंगी

वेटिंग रूम, एस्केलेटर, फूट कोर्ट जैसी सुविधा, मेट्रो, पटना जंक्शन, मल्टीमॉडल हब से कनेक्टेड होगी पार्किंग

पटना, एजेंसी। पटना में पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन के लिए मॉर्डन रेलवे टर्मिनल बनाया जा रहा है। ये टर्मिनल हार्डिंग पार्क यानी वीर कुंवर सिंह पार्क के सामने बनाया जा रहा है, जो 18 महीने में बनेगा। यहां 5 प्लेटफॉर्म होंगे। यहां से करीब 85 पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन होगा। 1 लाख से अधिक यात्री सफर कर सकेंगे। दानापुर रेलमंडल में पहली बार पैसेंजर ट्रेनों के लिए अत्याधुनिक टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। करीब 95 करोड़ की लागत से करीब 4.80 एकड़ जमीन पर टर्मिनल बनेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिक्रमगंज से इसका ऑनलाइन शिलान्यास किया। अभी एजेंसी इसका मॉडल तैयार कर रही है। 15 जून तक टर्मिनल का 3डी मॉडल आ जाएगा। टर्मिनल को मेट्रो और पटना जंक्शन से सीधे जोड़ा जाएगा। पटना जंक्शन और टर्मिनल के पार्किंग एरिया को जॉइंट रखा जाएगा। टर्मिनल की पार्किंग और मेट्रो की पार्किंग के रास्ते को भी जोड़ा जाएगा।

85 पैसेंजर ट्रेनें का होगा संचालन

इस टर्मिनल के बनने से उत्तर बिहार जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा होगी। यहां से फुलवारी, पाटलिपुत्र जंक्शन, जेपी सेतु, सोनपुर होते हुए पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन होगा। इसके अलावा सासाराम, आरा, बक्सर, गया, झाझा के लिए पैसेंजर ट्रेनें चलेंगी। हार्डिंग पार्क टर्मिनल से पटना-बक्सर, पटना-इस्लामपुर, पटना-बख्तियारपुर-तिलैया, पटना-किऊल, पटना-झाझा, पटना-राजगीर, पटना-हाजीपुर, पटना-बरौनी, पटना-मुजफ्फरपुर, पटना-छपरा, पटना-रक्सौल, पटना-जयनगर आदि शहरों के लिए लगभग 85 से अधिक पैसेंजर ट्रेनें चलेंगी। सिर्फ पटना-गया रेल लाइन का परिचालन इस स्टेशन से नहीं किया जायेगा।

करीब 5 एकड़ में बनेगा स्टेशन

हार्डिंग पार्क की डीपीआर मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनल की तरह बनाई गई है। करीब 4.8 एकड़ में निर्माण कार्य कराया जाएगा। मनमोहन सरकार में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद के समय दीघा-पटना ट्रेन को शुरू किया गया था, लेकिन बाद में उस रूट पर ट्रेन का परिचालन बंद हो गया। बाद में रेलवे ने दीघा-पटना रेल लाइन की जमीन राज्य सरकार को दे दी, जिस पर अटल पथ का निर्माण किया गया। इसके बदले में राज्य सरकार ने रेलवे को यह जमीन दी, जिस पर स्टेशन बन रहा है।

रेलवे का 1.10 क्विंटल चोरी का तांबा बरामद, गया के गोदाम में पुलिस ने की रेड, बदमाश अरेस्ट

तांबा गलाने का करता था काम

गया, एजेंसी। गया में रेलवे की संपत्ति चोरी हुई थी। इस मामले में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ने 1.10 क्विंटल तांबा बरामद किया है। यह कार्रवाई निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव के नेतृत्व में की गई। इसमें जावेद इकबाल, अविनाश कुमार, विकास कुमार, अमित कुमार, राकेश कुमार और महिला आरक्षी सोनिका कुमारी की टीम शामिल रही। चीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विष्णुपद थाना क्षेत्र के घुघडी टाड़ मोहल्ले में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान वरुण प्रसाद (50) को अरेस्ट किया गया। इसके गोदाम से भारी मात्रा में चोरी किया गया रेलवे का सामान बरामद हुआ।

बरामद सामग्री में रेलवे में उपयोग होने वाला तांबे का 5 मिमी डायमीटर का ड्रॉपर (30 अदद, कुल वजन 10.8 किलो), तांबे का सी-जम्पर (5.80 किलो), कैटेनरी ड्रॉपर क्लिप (30 अदद, 1.30 किलो), ड्रॉपर क्रायल (6.40 किलो) और 65 मिमी स्वॉक्यर का कैटेनरी तार (85 किलो) शामिल है।

गोदाम में तांबा गलाने का होता था काम

सामान का कुल बरामद वजन 109.3 किलोग्राम तांबा है, जिसकी अनुमानित कीमत 76,510 बताई गई है। आरपीएफ ने मौके से वरुण प्रसाद को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त वरुण प्रसाद के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट गया में कांड संख्या 05/25 दर्ज कर, भारतीय रेलवे संपत्ति (संरक्षण) अधिनियम 1966 (संशोधित 2012) की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों का कहना है वरुण लम्बे समय से तांबे का काम कर रहा था। उसके गोदाम में अक्सर भारी मात्रा में तांबा गलाया जा रहा था।

बिजली कनेक्शन के लिए दिया आवेदन, शातिर ने 98 हजार ठगे

पटना, एजेंसी। साइबर अपराधियों ने चार लोगों से ठगी की है। सभी मामले साइबर थाने में दर्ज किए गए हैं। सीतामढ़ी के अमित कुमार सरिस्ताबाद में रहते हैं। उन्होंने नए बिजली कनेक्शन के लिए बिजली ऑफिस में आवेदन दिया था। उसके कुछ दिन बाद उनके पास अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को बिजली कंपनी का अधिकारी बताया और कहा कि आपने नए कनेक्शन के लिए आवेदन दिया है। आपका कनेक्शन अप्रूव हो गया है। इसके बाद उनसे एक एप पर 10 रुपए का रिचार्ज कराया। रिचार्ज करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया। शातिर ने उनके खाते से दो बार में 98 हजार रुपए निकाल लिये। जांच में पता चला कि शातिरों ने पैसे जामताड़ा की एटीएम से निकाले हैं। उधर, फुलवारीशरीफ की दीक्षा को टेलीग्राम के एक ग्रुप पर शातिर ने वर्क फ्रॉम होम का झांसा दिया। इसके बाद उन्हें एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। वहां पेड टास्क के बारे में बताया गया। उन्होंने एक हजार रुपए लगाए तो उन्हें 1300 रुपए मिले। इसके बाद शातिर टास्क की रकम बढ़ाता गया और उनसे 1.18 लाख की ठगी कर ली। वहीं, दुल्हिन बाजार की अंजु कुमारी का खाता एसबीआई में है। उनके खाते में कुछ समस्या थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने टोल फ्री नंबर पर फोन किया। फोन उठाने वाले ने उनसे एसबीआई का खाता नंबर, आईएफएससी कोड और ओटीपी पूछ लिया। इसके बाद उनके खाते से 70 हजार रुपए की निकासी कर ली।

आरजेडी के संगठन चुनाव का पहला चरण पूरा, 14 से प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया और पांच जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा

पटना, एजेंसी। प्राथमिक इकाई और पंचायत इकाई के चुनाव सम्पन्न होने के साथ ही राजद के सांगठनिक चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया है। 31 मई से शुरू हो रहे दूसरे चरण में प्रखंड कमेटियों का चुनाव होगा, जबकि 5 जून से शुरू होने वाले तीसरे चरण में जिला कमेटियों का चुनाव होगा। 14 से प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 24 को राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद शुरू होगी। पांच जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। राजद के राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने बताया कि बिहार, झारखंड समेत अन्य सभी राज्यों में पार्टी के प्राथमिक (बूथ) और पंचायत इकाइयों का चुनाव संपन्न हो चुका है। राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचन्द्र पूर्वे के अनुमोदन के बाद सभी राज्यों में प्रखंड डेलीगेट की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. तनवीर हसन, सहायक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी ई. अशोक यादव, देव किशुन ठाकुर और सारिका पासवान, झारखंड के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरिधारी यादव, सहायक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी मो. कयामुद्दीन आदि ने अपने-अपने राज्यों में प्रखंड डेलीगेट की सूची भी जारी कर दी। प्रखंड डेलिगेट ही प्रखंड इकाइयों और जिला परिषद के सदस्यों का चुनाव करते हैं।

जून से नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी में होगा एडमिशन

नालंदा, एजेंसी। नालंदा खुला विश्वविद्यालय ने साल 2025 शैक्षणिक सत्र के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. (डॉ.) समीर कुमार शर्मा ने प्रेस रिलीज के माध्यम से बताया कि ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया जून 2025 से शुरू होगी। नालंदा खुला विश्वविद्यालय इस साल अपने छात्रों के लिए व्यापक पाठ्यक्रम विकल्प प्रस्तुत कर रहा है। विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया जा सकता है। इंटरमीडिएट, बीएससी और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अप्लाई किया जा सकता है।

स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की लिस्ट जारी : 1. अर्थशास्त्र - आर्थिक नीतियों और बाजार की समझ के लिए, 2. शिक्षा - शिक्षा क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए, 3.भूगोल - भौगोलिक अध्ययन और पर्यावरण विज्ञान, 4. हिंदी - भारतीय भाषा और साहित्य की गहरी समझ, 5.मनोविज्ञान - मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान, 6.लोक प्रशासन- प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए, 7. गृह विज्ञान - पारिवारिक और सामुदायिक विकास ग्रेजुएशन के लिए है।

विशेष पाठ्यक्रम में उर्दू शामिल : 1. उर्दू- भाषा और साहित्य अध्ययन, 2. संस्कृत - पुराना भारतीय ज्ञान परंपरा, 3.इतिहास - ऐतिहासिक अनुसंधान और विश्लेषण, 4.समाजशास्त्र - सामाजिक संरचना की समझ, 5.राजनीति विज्ञान - राजनीतिक व्यवस्था और शासन प्रणाली, 6. एनवायरन्मेंटल साइंस- पर्यावरण संरक्षण और विकास 7. जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन-मीडिया और संचार के क्षेत्र में, 8.वनस्पति विज्ञान - वनस्पति अनुसंधान और कृषि विकास विशेष सब्जेक्ट है। तकनीकी पाठ्यक्रम में गणित,भौतिक विज्ञान,रसायन शास्त्र और जन्तु विज्ञान (जूलॉजी) है।

ऑनलाइन माध्यम से दाखिला होगा

नामांकन की तारीख जून 2025 है। ऑनलाइन माध्यम से दाखिला होगा, जिसकी सारी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने स्पष्ट किया है कि नामांकन से संबंधित विस्तृत जानकारी, पाठ्यक्रम संरचना, फीस विवरण और चयन प्रक्रिया की पूरी जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डिस्टेंस शिक्षा का बढ़ता महत्व

नालंदा खुला विश्वविद्यालय का यह कदम उन छात्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो नियमित कॉलेज नहीं जा सकते या काम करते हुए अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हैं। विश्वविद्यालय का एनएएसी से मान्यता प्राप्त होना, इसकी गुणवत्ता की गारंटी देता है।

आधुनिक समय की मांग को देखते हुए, नालंदा खुला विश्वविद्यालय पूरी तरह से डिजिटल प्रवेश प्रक्रिया अपनाई है। एमएससी (140 सीट) और बी.लि.ब.स सहित सभी पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष की नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

स्नातक तृतीय सत्र 2022-25 का परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरा जाएगा 6 जून तक

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में स्नातक तृतीय वर्ष सत्र 2022-25 का परीक्षा फॉर्म बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार बिना विलंब शुल्क के 30 मई से 6 जून तक ऑनलाइन भरा जाएगा। वहीं 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म 9 जून से 13 जून तक भरा जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि छात्रों को फॉर्म भरने के लिए आपार आईडी बनाना आवश्यक है। बगैर आपार आईडी के फॉर्म नहीं भरा जा सकेगा। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने छात्र/छात्राओं से शुरुआती दिनों में ही फॉर्म भरने की अपील की ताकि अंतिम समय में होने कठिनाइयों से बचा जा सके।

ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने गांधी संग्रहालय के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष एवं सचिव को दिए बधाई

बीएनएम। मोतिहारी। गांधी स्मारक मोतिहारी के चुनाव हेतु जिलाधिकारी-सह-गांधी स्मारक के अध्यक्ष सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शहर के समाहरणालय स्थित राधाकृष्ण भवन सभागार में शनिवार को बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से वरिष्ठ पत्रकार चंद्र भूषण पाण्डेय को उपाध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय कुमार सिंह को सचिव बनने पर पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने बधाई और शुभकामनाएं दिया। श्री राय ने कहा की चंद्रभूषण पाण्डेय और विनय कुमार सिंह दोनों लोग पूर्व से ही गांधी जी के विचारधारा पर चलने वाले हैं। गांधी जी के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमेशा से जनता का काम करते हैं। विनय कुमार सिंह के पिता स्व. बृजकिशोर सिंह भी गांधी संग्रहालय के सचिव के पद को सुशोभित कर चुके हैं। निर्वाचन होने के बाद प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह, किरण कुशवाहा, रुमा खां, विजय कुमार जायसवाल, सत्येन्द्र नाथ तिवारी सहित अन्य कांग्रेसजनों से बधाई दिया।

हरसिद्धि में बोले प्रशांत किशोर- नेताओं के चेहरे पर नहीं, बच्चों के भविष्य के लिए दें वोट

बीएनएम। हरसिद्धि

'जन सुराज' अभियान के तहत पूर्वी चंपारण पहुंचे प्रशांत किशोर ने हरसिद्धि और पताही में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित करते हुए बिहार की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगली बार बिहार की जनता को लालू, नीतीश या मोदी के चेहरे पर नहीं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार को ध्यान में रखते हुए वोट देना चाहिए।

प्रशांत किशोर ने कहा, "बिहार में व्यवस्था परिवर्तन की जरूरत है। आज राशन कार्ड से लेकर जमीन की रसीद कटवाने तक में भ्रष्टाचार फैला है। अधिकारी और नेता खुलेआम रिश्वत ले रहे हैं। अब समय आ गया है कि जनता ऐसे नेताओं को सबक सिखाए।"

सभा में उमड़ी भारी भीड़

हरसिद्धि और पताही पहुंचने पर प्रशांत किशोर का कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। जगह-जगह समर्थकों ने उन्हें लीची भेंट कर सम्मानित किया।

नीतीश पर तंज, मोदी पर हमला

पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेहत और मानसिक स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री का नाम भी याद नहीं रहता। फिर भी भाजपा उन्हें बिहार की 13 करोड़ जनता पर थोपी हुई सरकार के मुखिया के रूप में चला रही है।" उन्होंने भाजपा से पूछा कि क्या नीतीश कुमार ही 2025 में NDA का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे?

राजद सुप्रीमो लालू यादव पर भी कसा तंज

प्रशांत किशोर ने लालू यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा, "उनका बेटा 9वीं भी पास नहीं कर सका, फिर भी वे चाहते हैं कि वह बिहार का राजा बने। वहीं दूसरी तरफ लाखों युवा बीए, एमए करके भी बेरोजगार घूम रहे हैं।"

जनसभा में मौजूद लोगो ने नारों के साथ जनसुराज के नेतृत्वकर्ता प्रशांत किशोर का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पुष्पवर्षा के इस आत्मीय स्वागत ने पूरे माहौल को भावनात्मक और जोशपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां

जनसुराज अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में अव्यवस्था का नजारा साफ देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर भोजन वितरण के दौरान महिलाएं आपस में झगड़ती नजर आई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

मंच के निचे बैठे दिखे प्रदेश के नेता संजय ठाकुर

कार्यक्रम में मंच के बगल में प्रदेश के नेता संजय ठाकुर बैठे देखे गए, जिससे यह प्रतीत हुआ कि कार्यक्रम की तैयारियों में भारी कमी रही। आयोजकों की लापरवाही के चलते कार्यक्रम की गरिमा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जनसुराज अभियान के अंतर्गत हरसिद्धि प्रखंड में आयोजित जनसभा में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति देखने को मिली। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

ग्रामीण आवास सहायक की सेवा की गई समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी

सरकार के सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक- 3526604 दिनांक- 03.01.2025 में निहित निर्देश के आलोक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रतीक्षा सूची में छूटे हुए योग्य लाभुकों को दिनांक- 10.01.2025 से सर्वेक्षण करते हुए आवास एप प्लस, 2024 पर नाम शामिल किया जा रहा है। धर्मेन्द्र कुमार, ग्रामीण आवास सहायक, ग्राम पंचायत राज- कोठिया, प्रखंड- तेतरिया का वीडियो वायरल हुआ है जिसमें रमेश कुमार का 06 आवेदन जमा करने एवं 06 आवेदन का पाँच-पाँच सौ रुपए के हिसाब से 3000/- रुपए जमा करने की बात आवास सहायक द्वारा कहा जा रहा है। उक्त वायरल वीडियो के संबंध में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के ज्ञापांक- 602 दिनांक- 01.04.2025 के द्वारा धर्मेन्द्र कुमार, ग्रामीण आवास सहायक, ग्राम पंचायत राज- कोठिया, प्रखंड- तेतरिया से कारण पृच्छा करते हुए अविलम्ब जवाब का मांग किया। इनके द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया है, कि प्रतीक्षा सूची में छूटे हुए योग्य परिवारों का मेरे द्वारा सर्वे किया जा रहा था, वहीं पर वार्ड सदस्य/जनप्रतिनिधि के आ जाने के क्रम में मेरे द्वारा वार्ड सदस्य, वार्ड सं.- 08 से एससी/एसटी में बचे हुए लाभुकों का समस्या पूछा जा रहा था, तब उसी क्रम में किसी के द्वारा वीडियो बन लिया गया। रमेश जी एक वर्तमान वार्ड सदस्य है, दलाल नहीं है। मेरे उपर गलत आरोप लगा कर मुखिया जी द्वारा गलत सर्वे कराने की मंशा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी, तेतरिया द्वारा अपने पत्रांक-175 दिनांक- 21.04.2025 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि वायरल वीडियो में ग्रामीण आवास सहायक धर्मेन्द्र कुमार ही है और आवाज उसी का प्रतीत हो रहा है तथा धर्मेन्द्र कुमार पर अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु अनुरोध किया गया है। स्पष्ट है कि वायरल वीडियो में अनियमितता बहुत ही गम्भीर प्रवृति का है। धर्मेन्द्र कुमार, ग्रामीण आवास सहायक, ग्राम पंचायत राज- कोठिया, प्रखंड- तेतरिया द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण को अस्वीकृत करते हुए समीक्षोपरांत निर्णय लिया जाता है किः- धर्मेन्द्र कुमार, ग्रामीण आवास सहायक (HRMS ID-114208), ग्राम पंचायत राज-कोठिया, प्रखंड-तेतरिया का बी.आर.डी.एस. के नियमों के अनुरूप विभागीय पत्रांक- 196 दिनांक- 25.03.2022 के प्रावधानित प्रावधान कंडिका 1 (vi) के अनुसार अनुबंध रद्द/समाप्त किया जाता है। उपरोक्त आदेश के आलोक में संबंधित पंचायत रोजगार सेवक विभागीय प्रावधानानुसार अपीलीय प्राधिकार के नियम के तहत 30 दिनों के अन्दर जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के समक्ष अपील दायर कर सकते हैं।

सुगौली नगर पंचायत का अंतहीन विवादः व्यवस्था की लाचारी या जानबूझकर किया जा रहा है अनदेखी

बीएनएम। मोतिहारी : मृत्युंजय पाण्डेय

सुगौली। "नौ दिन में आधा कोस, फिर भी चाल में जबरदस्त रवानी है" – यह कहावत आज अक्षरशः चरितार्थ हो रही है सुगौली नगर पंचायत पर। वर्षों से यह पंचायत योजनाओं की असफलता, भ्रष्टाचार के आरोपों और निरंतर विवादों का गढ़ बनती जा रही है। हैरत की बात यह है कि चाहे शासन किसी भी दल का हो, मुख्य पार्षद कोई भी हो, लेकिन कहानी वही पुरानी— अव्यवस्था और आरोपों की एक ही स्क्रिप्ट, बस पात्र बदलते रहते हैं। नगर पंचायत की आम जनता हर साल भारी-भरकम टैक्स भरती है, लेकिन बदले में उसे मिलती है— मूलभूत सुविधाओं की कमी, टूटी सड़कों, जलजमाव, और कूड़े के ढेरों के बीच जीने की मजबूरी। वहीं दूसरी ओर, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और उनके सहयोगी 'सुशासन' के नाम पर विकास की बजाय अपने व्यक्तिगत स्वार्थ की सीढ़ियाँ चढ़ते जा रहे हैं। जनता की मानें तो यदि सरकार निष्पक्ष जांच कराए—यानी 'ऑपरेशन क्लीन' चलाए—तो नगर पंचायत के नाम पर चल रहे भ्रष्टाचार के घाव ऐसे फूटेंगे कि सालों से जमा मवाद सामने आ जाएगा। सवाल है, ऐसा करेगा कौन? और यदि आवाजें उठती भी हैं, तो प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्यों "रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था" वाली स्थिति बनी हुई है?

पिछले वर्षों के कुछ उदाहरण खुद बयां करते हैं इस भ्रष्ट व्यवस्था की हालत-कचरा डंपिंग के नाम पर करोड़ों की ज़मीन खरीदी गई, जिसमें भ्रष्टाचार की बू साफ दिखी।

•सूखा और गीला कचरा अलग करने के नाम पर प्रखंड क्षेत्र में जमीन लेकर हर महीने लाखों की अवैध निकासी होती रही—बिना किसी उपयोग के।

•स्वच्छता कर्मियों को ईपीएफ, ईएसआईसी की सुविधाएं नहीं मिलतीं, जिसके विरोध में वे बार-बार हड़ताल पर जाते हैं।

•सफाई के नाम पर खर्च की गई राशि का कोई हिसाब नहीं। वहीं कर्मचारियों को न यूनिफॉर्म, न दस्ताने, न मास्क—सुरक्षा तो दूर की बात है।

•अब ताजा विवाद एक बार फिर उठ खड़ा हुआ है— स्वच्छता कर्मियों की ईपीएफ और ईएसआईसी की कटौती तो हो रही है, लेकिन वह बैंक खाते में जमा नहीं हो रही। इसके विरोध में कर्मियों ने हड़ताल की, जिसपर 4 जून को श्रम अधीक्षक ने वार्ता बुलाई है।

•यह वार्ता किस दिशा में जाएगी, यह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन सच यह है कि बाकी मामलों का ऊँट फिलहाल अंगद के पैर की तरह जमा हुआ है।

•सुगौली नगर पंचायत की कहानी एक अजब व्यवस्था की गजब दास्तान है—जहाँ योजनाएँ बनती हैं लेकिन अमल नहीं होता, भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाजें उठती हैं लेकिन दबा दी जाती हैं, और जनता हर बार ठगी जाती है।

•सवाल सिर्फ इतना है कि आखिर इन विवादों को सुलझाएगा कौन? और कब?

चंद्रभूषण पांडे बने उपाध्यक्ष तो विनय कुमार बने सचिव

बीएनएम। मोतिहारी

राधाकृष्णन भवन में जिलाधिकारी सह गांधी संग्रहालय के अध्यक्ष श्री सौरभ जोरवाल के अध्यक्षता में गांधी संग्रहालय के सदस्यों की बैठक हुई जिस बैठक में सर्वसम्मति से विनय कुमार सिंह को सचिव तथा चंद्र भूषण पांडे को उपाध्यक्ष चुना गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित सचिव एवं उपाध्यक्ष से गांधी संग्रहालय के सर्वांगीण विकास करने को कहा तथा गांधी जी के कार्यों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने को कहा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सचिव एवं उपाध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामना दिया गया। आज के इस बैठक में मुख्य रूप से उप महापौर और डॉक्टर लालबाबू प्रसाद , डॉक्टर आशुतोष शरण प्रकाश अस्थाना पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार, राय सुंदर देव शर्मा,जयराम सिंह , शंभु शरण सिंह,धर्मेंद्र कुमार स्वर्णकार शिक्षाविद सह समाजसेवी कौशल किशोर सिंह डॉ मनीष कुमार रंजीत गिरी विनय कुमार आकर्ष तिवारी राजगुरु मीना मिश्रा रोचक झा, ओम प्रकाश सिंह, ऋषभ झा एवं गांधी संग्रहालय के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

के.एम हॉस्पिटल में डायलिसिस सेंटर का हुआ उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

रोटरी मोतिहारी लेक टाउन द्वारा शनिवार को शहर स्थित के.एम हॉस्पिटल में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन रोटरी जिला 3250 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चचान, पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संजीव कुमार ठाकुर, रीजनल डायरेक्टर देवप्रिय मुखर्जी, सत्र 2027-28 के नामित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मुकेश तनेजा, के.एम हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अतुल कुमार सहित अन्य आगत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर इस डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ किया गया। यह डायलिसिस सेंटर रोटरी के ग्लोबल ग्रांट के तहत यहां स्थापित किया गया। कोई भी बड़े सेवा कार्य के लिए ज़्यादा पैसे की भी ज़रूरत होती है और यह पैसा कोई भी छोटा संस्थान खुद से वहन नहीं कर पाता। यहां ग्लोबल ग्रांट काम आता है। इसके तहत 25% खर्च स्थानीय क्लब को उठाना पड़ता है और 25% खर्च विश्व के किसी भी देश का कोई भी क्लब उठाता है, बाकी के 50% रोटरी फाउंडेशन के द्वारा दिया जाता है। यह प्रोजेक्ट साउथ कोरिया के रोटरी नॉसॉन्ग जिला 3750 के सहयोग से एवं ग्लोबल ग्रांट संख्या 2568253 के तहत संभव हो पाया है। फिलहाल इस सेंटर पर दो डायलिसिस मशीन उपलब्ध है। मगर आने वाले समय में यहां और भी डायलिसिस मशीन स्थापित की जाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम में अतिथियों ने सर्वप्रथम डायलिसिस सेंटर पर लगे शीला पट का अनावरण किया। तत्पश्चात फीता काटकर अनुष्ठानिक तरीके से सेंटर का उद्घाटन किया गया। रोटेरियन मुकेश तनेजा ने इस केंद्र की प्रशंसा में कहा कि गरीब किडनी के मरीजों का इलाज बहुत ही खर्चीला होता है और रोटरी द्वारा केंद्र को चलाए जाने से उन मरीजों को काफी लाभ मिलेगा। संजीव ठाकुर ने बताया कि इस डायलिसिस सेंटर को खोलने में क्या-क्या परेशानियां आईं और उन सब परेशानियों को झेलते हुए आज यह महत्वपूर्ण दिन सफल हुआ। जिले की प्रथम महिला ने भी इस केंद्र को अपनी शुभकामनाएं दी। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चचान ने रोटरी मोतिहारी लेक टाउन की भूरी-भूरि प्रशंसा करते हुए आश्वासन दिया कि आगे और भी ज़रूरत का सामान इस क्लब को मुहैया कराया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अतुल कुमार द्वारा किया गया। प्रेसिडेंट रोहित कुमार ने मीटिंग की समाप्ति की घोषणा करते हुए सबको फिर से बधाई दी। इस कार्यक्रम का सफल संचालन रीजनल डायरेक्टर देवप्रिय मुखर्जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव प्रियंका सरकार, अभिलाष सिंह, रिंकी जायसवाल, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. चंदन जायसवाल, डॉ. सर्वेश राज चौधरी, राजीव रंजन, भूषण जी, मधुर जायसवाल, सौरभ कुमार, अभिषेक शाह, सहायक मंडल अध्यक्ष स्टेनली पिल्लई, राजीव कुमार राजू, गौरव तिवारी सहित अन्य सक्रिय भूमिका निभाई। उक्त जानकारी डॉ. अतुल कुमार ने दी है।

71वीं वाहिनी एसएसबी परिसर में मनाया गया विश्व तम्बाकू निषेध एवं जागरूकता दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार को 71 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मोतिहारी के द्वारा वाहिनी परिसर में प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट के निर्देशन एवं डॉ. राजेश कुमार (कमांडेंट चिकित्सा) की अध्यक्षता में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर के बैनर तले विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर स्क्रीनिंग एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि विश्व तम्बाकू निषेध दिवस एक ऐसा अवसर है जब हम तम्बाकू जैसे घातक पदार्थ के प्रति समाज को जागरूक कर सकते हैं। यह केवल एक दिन की अपील नहीं, बल्कि जीवनभर की चेतावनी है। आज जब देश और दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही है, तब भी करोड़ों लोग तम्बाकू की लत में फंसे हैं, जो धीरे-धीरे उनके शरीर और भविष्य को निगल रही है। सदर अस्पताल मोतिहारी के डॉ. रितिका कश्यप द्वारा बताया गया कि तम्बाकू सेवन से कम से कम 12 प्रकार के कैंसर हो सकते हैं जिसमें फेफड़ों का कैंसर, गले और स्वरयंत्र का कैंसर, मुँह, होंठ एवं जीभ का कैंसर, ग्रासनली (एसोफागस) का कैंसर, पेट, यकृत, अग्न्याशय, मूत्राशय एवं किडनी का कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सरविक्स) का कैंसर एवं अक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया। धूम्रपान करने वालों में फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु का जोखिम 80% से अधिक होता है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अत्यंत खतरनाक होता है। धूम्रपान करने वाली मां के शिशु में जन्मजात विकृतियाँ और मृत्यु का खतरा भी बढ़ता है। इस कार्यक्रम के पश्च्यात सदर अस्पताल के डॉ. रितिका कश्यप एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपराकोठी के डॉ. इशिता द्वारा बल कर्मियों का मुँह एवं दन्त का स्क्रीनिंग किया गया और उन्हें स्वास्थ्य सम्बंधित जरुरी सलाह एवं दिशा-निर्देश दिया गया। इस अवसर पर कमांडेंट द्वारा वाहिनी के तरफ से डॉ.रितिका कश्यप एवं डॉ. इशिता को स्मृति चिन्ह सप्रेम भेंट किया गया। इस अवसर पर विश्वजीत तिवारी (उप कमांडेंट), दीपक कुमार (सहायक कमाडेंट/संचार) और फार्मासिस्ट कुलवंत व वाहिनी के सभी अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सिकरहना नदी में डूबे बच्चे का शव दूसरे दिन बरामद

बीएनएम। सुगौली। प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी छपरा बहास पंचायत के कैथवलिया गांव के समीप से होकर गुजरने वाली सिकरहना नदी में डूबे बच्चे का शव बुधवार की सुबह बरामद कर लिया गया है। मृतक बच्चा कैथवलिया गांव निवासी मुस्तकीम मिंया का पुत्र शहजाद आलम बताया जाता है। गौरतलब है कि मंगलवार को नहाने के क्रम में गांव के तीन बच्चे सिकरहना नदी में डूब गये थे। जिनमें से एक लड़की को बचा लिया गया था और दूसरी लड़की का शव स्थानीय गोताखोरों की मदद से बरामद कर लिया गया है तो वहीं तीसरा बच्चा नदी में लापता था। मृतक के शव को स्थानीय पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया है।

तुरकौलिया में अवैध शराब और हथियार के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के सेमरा भोला टोला गांव में एलटीएफ और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर अवैध शराब और देशी हथियार के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान राजकुमार भगत के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजकुमार अपने घर में शराब छिपाकर बेच रहा है। छापेमारी के दौरान उसके घर से 163 पीस फ्रूटी (कुल मात्रा 29.3 लीटर विदेशी शराब) और एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है।

तंबाकू का सेवन नहीं करने का लिया गया संकल्प

बीएनएम। लखीसराय। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित सभागार में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारी एवं कर्मचारीगणों ने सामूहिक रूप से तंबाकू और धूम्रपान से सदैव दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली।सभी ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने कार्यालय परिसर को पूर्णतः तंबाकू मुक्त रखेंगे और अपने सहयोगियों व परिजनों को भी इसके लिए जागरूक करेंगे। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय रणवीर कुमार, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम, द्वितीय शुभनंदन झा, तृतीय राजीव कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आशीष कुमार अग्निहोत्री, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी कुंदन कुमार गुप्ता, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम रंजीत कुमार सोनू एवं द्वितीय विद्यानंद सागर समेत अन्य न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। सभी ने इस सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होकर कदम उठाने की बात कही।

बस किराया घटा, यात्रियों को होगी सहूलियत

बीएनएम।लखीसराय। जिले में आम जनता की मांग और परिवहन विभाग के प्रयासों का असर अब दिखने लगा है। लखीसराय बस एसोसिएशन संघ ने बस किराए में कटौती का निर्णय लिया है। नया किराया एक जून से प्रभावी होगा। अब यात्रियों को तय दूरी के अनुसार कम किराया देना होगा।लखीसराय से रामगढ़ तक 10 रुपए, कैन्दी तक 15 रुपए, हलसी तक 20 रुपए, मोहद्दीनगर तक 25 रुपए और सिकन्दरा तक 30 रुपए किराया तय किया गया है। वहीं सिकन्दरा से मोहद्दीनगर तक 10 रुपए, हलसी तक 15 रुपए, कैन्दी तक 20 रुपए, रामगढ़ तक 25 रुपए और लखीसराय तक 30 रुपए किराया होगा।यदि कोई बस चालक या कंडक्टर निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलता है, तो यात्री तुरंत शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए जिला परिवहन विभाग ने चार हेल्पलाइन नंबर जारी किया है – 9155005836, 7631475375, 9153330542 और 7903556017। यात्रियों से अपील की गई है कि वे जागरूक रहें और तय किराया ही दें।

धनहा में प्रेम प्रसंग में चली गोली, बाल बाल बचे परिजन

बीएनएम। बगहाः धनहा थाना क्षेत्र स्थित तमकुहवा में एक युवक द्वारा जान से मारने की नियत से गोली चलाने का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि जिसपर गोली चलाई गई वह व्यक्ति बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गई हैं। घटना के बावत तमकुहवा गांव के ब्रम्हानंद यादव ने धनहा थाने को एक लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया है। दिये गये आवेदन में आरोप लगाते हुए ब्रह्मानंद यादव ने बताया है कि, मेरी भतीजी तमकुहा के आर के इंटरनेशनल स्कूल में कोचिंग करती थीं। शुक्रवार की करीब शाम 4 बजे तमकुहा गांव निवासी डॉ डी पी यादव का लड़का विशाल यादव उर्फ सुंदरम यादव स्कूल से आते हुए मेरी भतीजी को रोक कर कहा कि तुम मुझसे बात क्यों नहीं करती हो। जिसपर मेरी भतीजी ने उसे डाटा तो, विशाल यादव अपनी बाईक से मेरे खेत में पहुंच गया । एवं खेत में काम कर रहे मेरे लड़के से उलझ गया, तथा गाली देते हुए मारपीट करने लगा। बीच बचाव के लिए ब्रह्मानंद यादव दौड़े तो विशाल यादव उनके ऊपर काटा से फायर कर दिया। लेकिन वह बाल बाल बच गए। उसके बाद लोग दौड़े तो विशाल यादव अपनी बाईक छोड़ मौके से फरार हो गया। वही विशाल यादव की माता आशा देवी ने बताया कि मेरे पुत्र से कोई विवाद नहीं है पूर्व के विवाद के कारण मेरे पुत्र पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मानंद यादव के पुत्र ने खुद अपने साथ अपराधी किस्म के लोगों के साथ मिलकर मेरे पुत्र पर गोली चलाया। जिससे मेरा पुत्र बाल बाल बच गया। उन लोगों के द्वारा मेरे पुत्र के साथ मार पीट किया गया है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे इलाज के लिए गोरखपुर भेजा गया है।इस संबंध में पुलिस इन्स्पेक्टर सह धनहा थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भारती ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

अभिभावक और शिक्षक संगोष्ठी मे विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर

बीएनएम। योगापट्टी : योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत के पांच नंबर वार्ड के बलुआ देवराय गांव मे स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय मे दिन शनिवार को अभिभावक और शिक्षक संगोष्टी मे विद्यार्थियों ने अभिभावकों और शिक्षकों के समक्ष फ़सल उत्पादक प्रयोजना कार्य और उत्पादन एवं प्रबंध, विटामिन युक्त फलो आदि प्रकार की मॉडल सूची तैयार कर दिखाया | फ़सल उत्पादक प्रयोजना कार्य का मॉडल पल्ल्वी कुमारी, कृति कुमारी, लालसा कुमारी, शिवानी कुमारी, सुनीता कुमारी और उत्पादक एवं प्रबंध का मॉडल संदीप कुमार, अनमोल कुमार, रवि कुमार, कमलेश कुमार आदि इसी प्रकार बहुत से बच्चों ने अलग -अलग खाद्य पदार्थ मे उपयोग मे आने वाले विटामिन युक्त फलो एवं सब्जियों का मॉडल सूची तैयार कर प्रस्तुत किया | विधार्थियो ने बताया की अगर ग्रामीण किसान एवं ग्रामीण लोग इस प्रकार मॉडल के अनुसार अपने दैनिक जीवन मे उपयोग मे लाते हैँ तो बहुत उन्नति करेंगे | वहीं इस संगोष्टी आयोजन मे प्रधानाध्यापक वशी अख्तर, हीरालाल सर, आनंद सर, विश्वास सर, राजीव सर,अंशु सर और गुनगुन मैडम आदि शिक्षक एवं शिक्षका शामिल रहे |वहीं हीरालाल सर ने विद्यार्थियों के इस प्रयोगात्मक कार्य के लिए शराहा और विद्यार्थीयो के हौसला अफजाई के रूप मे अभिभावकों से पूछ नंबर दिए |और बताया कि इस प्रकार के प्रयोगात्मक कार्य करने से बच्चों मे भौतिक बुद्धि का विकास होता हैँ और अभिभावकों को दिशा निर्देश भी दिया |

एक निजी विद्यालय में लगी आग सभी, सामान जलकर राख

बीएनएम। बैरियाः बैरिया अंचल क्षेत्र के पखनहा बाजार के समीप एक निजी विद्यालय में शनिवार के सुबह करीब 10:30 पर आग लगा देने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत स्कूल संचालक पखनहा डुमरिया पंचायत के वार्ड नंबर 4 जगिराहा गांव निवासी धर्मेंद्र पासवान ने बताया की हम लोग तीन आदमी मिलकर स्कूल बनाकर बच्चों को एक साल से पढ़ा रहे थे। तभी शनिवार के सुबह करीब 7:00 बजे एक लड़का स्कूल में बच्चों से आ कर कहा कि धर्मेंद्र सर को समझा दीजिए नहीं तो स्कूल जला देंगे। स्कूल के बच्चों को छुट्टी 9:30 पर हुई सभी बच्चे व शिक्षक घर चले गए तभी उक्त नाबालिक लड़के ने स्कूल में आग लगाकर जला दिया। घटना के सूचना पर पहुंची अग्नि दस्ता के टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने से ग्रामीणों में अफरा तफ़री माहौल कायम हो गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे पीएचईडी और मनरेगा अधिकारीः बीस सूत्री अध्यक्ष

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय में शनिवार को बीस सूत्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मनोज पासवान ने की। इस अवसर पर बीस सूत्री अध्यक्ष निकेश सिंह एवं उपाध्यक्ष कश्यप कुमार द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के सदस्यों को डायरी, पेन और साल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, जन वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, नल-जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, घर-घर बिजली, गली-नाली निर्माण, जीविका महिला समूह, ग्रामीण सड़क निर्माण, हरसिद्धि बाजार में अतिक्रमण जैसे जनहित के मुद्दे छाए रहे। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग के कार्यों और प्रगति की जानकारी साझा की। वही बताया गया है कि सूचना देने के बावजूद मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी, पीएचईडी विभाग और उद्यान विभाग के पदाधिकारी कार्यक्रम में अनुपस्थित रहे। इस पर बीस सूत्री अध्यक्ष निकेश सिंह ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि मनरेगा और पीएचईडी विभाग भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं और आमजन तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख जानकी देवी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील, सीडीपीओ रंजीत कुमार, थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा, अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी, कृषि पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, भाजपा महिला मोर्चा की अनूपमा कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता सह भाजपा नेता मार्कण्डेय कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतराः जिला जज

बीएनएम। बेतिया

तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और जानलेवा है इसका असर मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक सेहत पर भी पड़ता है। उक्त बातें विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्रधान जिला जज आनंद नंदन सिंह ने कही। शुक्रवार को न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिम चंपारण बेतिया के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी न्यायालय कर्मियों के द्वारा तंबाकू का सेवन नहीं किए जाने की शपथ ली गई। वहीं प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने बताया कि तंबाकू का सेवन सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डालता है इसका सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं फेफड़ों की बीमारी तथा कैंसर होने का खतरा ज्यादा रहता है। इस मौके पर जिला एवं आपपर सत्र न्यायाधीश तृतीय ने सभी न्यायिक पदाधिकारी गण तथा कर्मचारी गण को शपथ दिलाई। इस अवसर पर व्यवहार न्यायालय में पदस्थापित सभी न्यायिक पदाधिकारी गण तथा सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बर्निंग ट्रेन बनने से बची कोसी एक्सप्रेस

पूर्णिया कोर्ट से पटना जा रही ट्रेन में सतर्क यात्रियों ने टाली बड़ी दुर्घटना

» एसी कोच में धुआं भरने से मची अफरा-तफरी

बीएनएम। सहरसा

पूर्व मध्य रेलवे के सहरसा-मानसी रेलखंड पर शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया जब कोसी एक्सप्रेस के एसी कोच में अचानक धुआं भर गया। गाड़ी संख्या 18626 कोसी एक्सप्रेस, जो पूर्णिया कोर्ट से पटना जा रही थी, उस समय अफरा-तफरी मच गई जब ट्रेन के बी-1 एसी कोच में यात्रियों ने धुआं उठता देखा। घटना सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित पुरैनी और गोरगामा स्टेशन के बीच की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही ट्रेन इस खंड से गुजर रही थी, अचानक बी-1 कोच में धुआं भरने लगा। यात्रियों में घबराहट फैल गई और उन्होंने तत्काल चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन के रुकते ही यात्री बाहर निकलने लगे और कई लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते देखे गए। सिमरी बख्तियारपुर के यात्री शम्भू सिंह ने बताया कि ट्रेन अपने निर्धारित समय से लगभग 20 मिनट की देरी से सिमरी बख्तियारपुर पहुंची थी। वहां से रवाना होने के कुछ ही देर बाद कोच में धुआं दिखाई दिया। यात्रियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से एक संभावित दुर्घटना टल गई। घटना की सूचना मिलते ही ट्रेन में तैनात रेल कर्मचारी सक्रिय हो गए। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और तकनीकी जांच शुरू की। शुरुआती जांच में किसी शॉर्ट सर्किट या तकनीकी गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, रेलवे की ओर से अब तक किसी तकनीकी कारण की पुष्टि नहीं की गई है। करीब आधे घंटे तक ट्रेन रुकी रही, जिसके बाद प्रभावित कोच के यात्रियों को सुरक्षित अन्य कोच में स्थानांतरित किया गया। इसके बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना कर दिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। रेल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और यात्रियों की सतर्कता की सराहना की है। यह घटना एक बार फिर सुरक्षा मानकों और कोचों की समय-समय पर जांच की आवश्यकता पर सवाल खड़े करती है।

योजनाओं को समय पर करें पूरा, गुणवत्तापूर्ण कार्य हो

जिलाधिकारी वैभव चौधरी और अन्य पदाधिकारी

» जिलाधिकारी ने बैठक में अधिकारियों को दिए गए टास्क

बीएनएम। सहरसा

सहरसा जिलाधिकारी वैभव चौधरी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिलांतर्गत सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य प्रखंड स्तर पर संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और उनके सम्यक क्रियान्वयन की समीक्षा करना था। जिलाधिकारी ने सभी वरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रखंड भ्रमण के दौरान योजनाओं का गहन निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रमण के क्रम में यदि किसी योजना के क्रियान्वयन में त्रुटि पाई जाती है, तो संबंधित पदाधिकारी को शीघ्र सुधार हेतु निर्देश दिया जाए। विशेष रूप से नल-जल योजना को किसी भी परिस्थिति में बाधित न होने देने पर बल दिया गया। साथ ही, विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर निगरानी और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सभी वरीय पदाधिकारी अपने प्रखंड क्षेत्र में संचालित योजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में चल रहे डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान एवं महिला संवाद कार्यक्रम की समीक्षा भी भ्रमण के दौरान की जाए। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में सतत प्रयास करने का आह्वान किया।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर किया गया जागरूक

बीएनएम। लखीसराय

बाल विवाह नहीं करने का शपथ लेते छात्रा

महिला एवं बाल विकास निगम एवं संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के सहयोग से पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयंती के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय रामनगर में छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ मनोज कुमार सिन्हा ने बताया कि आज अहिल्याबाई होलकर का जन्मदिन है जो महिलाओं के सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजना जैसे कौशल विकास प्रशिक्षण, अल्पावास, पुनर्वास,पालनाघर के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए। किसी अपरिचित से संपर्क न करने का सलाह दिया गया और न ही फेसबुक वॉट्सएप एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करने का सलाह दिया गया। वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अमित कुमार ने बाल विवाह के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है जिसे हम सभी को मिलकर दूर करना है। बाल विवाह रोकथाम हेतु सरकार ने कानून बनाया है जिसका पालन भी हम सभी को मिलकर करना है। जिला मिशन समन्वयक प्रशांत कुमार ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के अप्रतिम उदाहरण त्याग, करुणा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए संकल्पित पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी का जन्मदिन है, उनके जन्मदिन सभी छात्रा और महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है जिनका पति, बेटा, बेटी, ससुर व दामाद सभी खत्म हो गया फिर भी टूटे नहीं, हिम्मत नहीं हारी बल्कि राज्य की बागड़ोर अपने हाथों में लेकर अच्छी तरह से राज्य को चलाया। सती प्रथा जैसे सामाजिक कुरीति का भी उन्होंने प्रतिकार किया। विधवा महिला को संपति पर अधिकार दिलाया। संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी एवं मदद किया जाता है। मौके पर विद्यालय के वार्डन सह शिक्षिका रिमझिम कुमारी, एमटीएस गौतम कुमार, छात्रा गीता कुमारी ,अनुष्का कुमारी, काजल कुमारी, चांदनी कुमारी सहित दर्जनों छात्रा मौजूद रहे। अंत में बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ भी दिलाया गया।

हरसिद्धि में 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरता को समर्पित तिरंगा यात्रा का आयोजन

बीएनएम। हरसिद्धि

शनिवार को हरसिद्धि प्रखंड में 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा और भारतीय सेना के पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व राज्य सरकार में गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने किया। यात्रा प्रखंड मुख्यालय से प्रारंभ होकर कनछेदवा चौक तक पहुंची। मंत्री पासवान ने इस अवसर पर भारतीय सेना की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत हुई, जिसने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, "हमारी सेना दिन-रात देश की रक्षा में तत्पर रहती है और हमें उन पर गर्व है।" इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के साहस को आम जनमानस तक पहुँचाना और उनका मनोबल और भी ऊंचा करना था। यात्रा में भाजपा के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें जिला अध्यक्ष पवन राज, ई. राकेश कुमार गुप्ता, कुंदन पासवान, मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान, मारकंडे कुशवाहा, और प्रदीप कुमार प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डीएम से जांच कर कार्रवाई की मांग

बीएनएम। बेतिया

राजस्व में अंचल कार्यालय इस समय अवैध उगाही का अड्डा बन गया है। सीओ का प्राइवेट ड्राइवर दाखिल खारिज के नाम पर बीस हजार की वसूली करता है। वह ड्राइवर आजकल क्षेत्रों में घूम कर दाखिल खारिज या अन्य काम के लिए बतौर हर काम कराने का एक तय राशि बताता है। तय राशि मिलते ही काम हो जाता है। परंतु तय राशि नहीं देने पर बिना तथ्य की जानकारी लिए दाखिल खारिज को अस्वीकृत या अन्य कारणो से रोक दिया जाता है । इस बात का खुलासा उत्तरी पटजिरवा निवासी मोहम्मद सद्दाम हुसैन ने किया है। उसने बताया कि दाखिल खारिज आवेदन संख्या 1420/24-25 में ऑनलाइन आवेदन आपत्ती दायर किया था । उसने बताया कि अंचलाधिकारी का ड्राइवर मनीष कुमार आपत्ति आवेदन के आलोक में बीस हजार रुपए की मांग किया था। जब हमने बीस हजार रुपए देने से इनकार कर गए तो बिना जांच पड़ताल किए फर्जी आधार कार्ड बनाकर विपक्षी से मोटी रकम लेकर उसके नाम पर दाखिल खारिज करा दिया । यह दाखिल खारिज सीओ के आईडी से किया गया है । सद्दाम हुसैन ने बताया कि इस मामले में वह जब सीओ से पूछने गया तो सीओ मुकेश कुमार ने एक आधार कार्ड दिखाया। जो मेरे नाम का था। वह आधार कार्ड मेरे नाम का फर्जी था। क्योंकि इस आधार कार्ड में सद्दाम का नाम और पिता का नाम समेत जन्मतिथि आदि गड़बड़ थी । सद्दाम हुसैन बेतिया डीएम से इसकी जांच करने की मांग की है। अंचल अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि आरोप गलत है, उत्तरी पटजीरवा के राजस्व कर्मचारी है। साक्ष मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक ने मारी विद्युत पोल में टक्कर, विद्युत आपूर्ति ठप

बीएनएम। जमुई/ झाझा। नगर परिषद् क्षेत्र के सोहजना ठाकुर टोला के निकट मुख्य मार्ग के किनारे लगे 33 हजार केवी विद्युत पोल में शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात्रि करीबन 3 बजे अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे एक सीमेंट और दूसरा लोहे का बिजली खम्भा क्षतिग्रस्त हो गया और अचानक शहर में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इधर अहले सुबह स्थानीय लोगों की नजर टूटे हुए बिजली पोल पर पड़ी जिसके बाद लोगों ने विद्युत विभाग को सूचना दी। सूचना पर विद्युत विभाग के एसडीओ विनोद नागर एवं जेई तथा अन्य बिजली मिस्त्री मौके स्थल पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त बिजली खम्भा को बदलकर दूसरा खंभा लगाने के बाद मरम्मती का काम दिनभर जारी रखा। विद्युत आपूर्ति ठप हो जाने के कारण लोगों को मोबाइल चार्ज, पानी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा 12 घण्टे बाद विद्युत आपूर्ति नगर क्षेत्र में बहाल हुआ जिसके बाद लोगों ने भीषण गर्मी में राहत की सांस लिया। दो दो बिजली खम्भा क्षतिग्रस्त होने से विभाग को काफी क्षति हुई है।

लूटपाट मामले में दो बदमाश गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई /झाझा

नगर क्षेत्र में दिन दहाड़े एक ई रिक्शा चालक से दो बदमाशों के द्वारा चाकू दिखाकर मोबाइल एवं नगद पांच हजार रुपए लूट लिए जाने की घटना में पुलिस ने दो घण्टे में लूटपाट की घटना में दोनो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ में एसडीपीओ राजेश कुमार ने पीसी कर मामले का खुलासा करते हुए बताता की दोपहर 12:30 के करीब तुम्बापहाड़ के रहने वाले ई रिक्शा चालक नौशाद अंसारी पुरानी बाजार से गुजर रहा था कि तभी एक बाइक पर दो युवक उसका ई रिक्शा रुकवाते हुए एक मोबाइल और पांच हजार रुपए लूट लिये। एसडीपीओ ने बताया कि घटना के 2 घण्टे के अंदर मामले का उद्भ्रेदन कर लिया गया। बताया जाता है कि बदमाश नशीला पदार्थ का सेवन कर लूटपाट की। जिसमें पूर्व में भी नशीला पदार्थ के साथ गिरफ्तार हुआ है।पीड़ित ने थाना में पहुंचकर ऑन ड्यूटी पर तैनात एएसआई मुकेश कुमार सिंह को सूचना दी जिसके बाद थानाध्यक्ष संजय सिंह के दिशानिर्देश पर एएसआई ने कार्रवाई करते हुए पुरानी बाजार के सदानंद यादव और सोहजाना के कुंदन यादव को गिरफ्तार किया गया। जिसमें लूट के बाद बंटवारे की हुई राशि में कुंदन के पास से 3 हजार रुपए और घर मे छिपाकर रखे गए लूट का मोबाइल और बाइक भी बरामद कर लिया। वही ई रिक्शा चालक के ब्यान पर प्राथमिकी भी दर्ज हुई और गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

प्रेसवार्ता कर जानकारी देते एसडीपीओ

ईडी को फटकार

तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच की ईडी की स्वतःस्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू से दो टूक कहा, प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस मामले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में कूदकर टीएएसएमएसी पर ही छापेमारी कर रही है। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए ईडी से तीखा सवाल किया कि आप राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं। तमिलनाडु सरकार ने संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अपनी याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं, जिनमें संघवाद का मुद्दा भी शामिल है। जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर और राज्य के अपराध की जांच करने के अधिकार को हड़पने का प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार की दलील है कि टीएएसएमएसी को इन प्राथमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों में वह शिकायतकर्ता है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है। निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में भी आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए। मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस

लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं। मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ़ वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है-यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास-इजरायल जंग हो या रूस-यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ़ एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

सूडोकु नवताल- 7447

***** कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7446 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

पक्षी विलुप्त नहीं हुए, गांव में जाकर देखिए

प्रियंका सौरभ

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बालकनी में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे सांस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह एक गांव की बालकनी में बैठकर महसूस किया गया जीवन है। हाल ही में गांव जाना हुआ तो एक शाम अपनी बालकनी में बैठी थी- अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी। भूरे और सफेद रंग की, फुर्तीली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई-"धौरईया!" हां, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते। उन्हें दाना डालते और उनके नामों पर बहस करते। "ये गौरैया नहीं, धौरईया है," मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौआ, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया-बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बालकनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तीतर की दौड़-ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों-प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौरईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, "हां बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।" इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बालकनी एक खिड़की बन गई थी-केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियां। वो दोपहरें-जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे। वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियां अपने बच्चों के साथ तैरती थीं। हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी। गांव आकर यह एहसास हुआ कि जीवन की भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। "कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस"-कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है। मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियां ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं। गांव की इस बालकनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है। हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक। आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं। यह लेख एक आग्रह है-खुद से, और आप सबसे भी। गांवों में जाइए, खुली हवा में सांस लीजिए, चिड़ियों की आवाज पहचानिए।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आपके लिए सफलता का नया मार्ग दिखाने वाला साबित होगा। आज आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। इस राशि के जिन लोगों का आज बर्थडे है वो दोस्तों को अपने हाथ की बनायी डिश खिलाएंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी परेशानी जिससे आप काफ़ी दिनों से परेशान थे उसका निवारण हो जायेगा। आज ऑफिस में कलीग को आपसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। इस राशि के जिन लोगों को किसी बिजनेस की शुरुआत करनी है उनके लिए आज का दिन बढ़िया है। आप शुरू कर सकते हैं। आज मीडिया, आर्ट, पब्लिकेशन से जुड़े लोगों के लिए अच्छा दिन है, आपको नयी उपलब्धियां मिल सकती हैं।
मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम को शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बनायेंगे, मन में भक्ति-भाव बना रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव मिलेंगे। आज नजदीकी रिश्तों से गिले-शिकवे दूर करने का प्रयास सफल रहेगा।
कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज किसी काम में बड़े भाई की सलाह से आपको पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, रिश्ते में भी मधुरता बढ़ेगी। आज आप काम करने से पहले पॉजिटिव और नेगेटिव हिस्सों पर सोच-विचार करेंगे, सफलता मिलनी तय है। दांपत्य जीवन में आज खुशहाली रहेगी, घर में मेहमानों के आने और मेल-मिलाप से खुशी बढ़ेगी।
सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। अपने व्यापार को बढ़ाने की योजना पर काम करने का अच्छा समय है। आज घर की सजावट में किये गए बदलाव से आपको खुशी मिलेगी। लवमेट आज कही घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं। आज कार्यस्थल पर व्यस्तता से भरे माहौल से निकलकर शाम को परिवार के साथ टाइम स्पेंड करेंगे। अपने करियर को बेहतर दिशा देने के लिए माता-पिता से विचार-विमर्श करेंगे।
कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। प्रॉपर्टी से सम्बंधित अगर समस्या चल रही है तो आज उसे सुलझाने का अच्छा समय है। आज आपकी मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे। स्टूडेंट्स के करियर में आ रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है। कार्यस्थल पर अपनी काबिलियत दिखाने का आज अच्छा मौका है।
तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने कुछ नयी चुनौतियां आएंगी जिसे आप अपनी बुद्धिमत्ता से सुलझा लेंगे। कामकाज में आज आपको गोपनीयता बनाकर रखने की जरूरत है। रुका हुआ पैसा मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज पारिवारिक रिश्तों में ताल-मेल बना रहेगा।
वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहेगा। आपका सरकारी मामला जो काफी दिनों से रुका हुआ है उसमें आपको जीत मिल सकती है। आज परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, आप बच्चों के भविष्य के बारे में बातचीत करेंगे। आज दोपहर बाद आपकी यात्रा के योग है इससे आपके बिजनेस में ज्यादा धनलाभ होगा।
धनु राशिः आज का दिन उत्तम रहेगा। आज जरूरी कामों से थोड़ा समय निकालकर अपने पसंदीदा कामों में बिताएंगे, आपकी प्रतिभा में निखार आएगा। आज भौतिक सुख-सुविधाओं से रिलेटेड चीजों की खरीददारी करेंगे, आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के जो लोग किसी जॉब की तलाश में हैं आज उनकी तलाश पूरी हो सकती है।
मकर राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज काम के मामले में आप दूसरों की बातों को इग्नोर कर अपनी काबिलियत पर भरोसा करेंगे, आपको जल्द ही इसका अच्छा रिजल्ट मिलेगा। आज कामकाज और परिवार की जिम्मेदारियों में ताल-मेल बना रहेगा। आज प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री में अच्छी डील होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।
कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आप का बिजनेस में काम व्यवस्थित रहेगा, आपके आसपास के कारोबारियों से चल रहे कॉम्पटीशन में आपकी जीत तय है। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब कर रहे हैं वो आज काम में लापरवाही न करें, जल्द ही आपके इन्क्रीमेंट के योग बन रहे हैं।
मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज काम आपके मन मुताबिक पूरा होगा। घर में धार्मिक कार्यक्रम की योजना बनेगी, इससे बच्चों में भी उत्साह देखने को मिलेगा। आज विपरीत परिस्थितियों से निकलने के लिए किसी मित्र की सहायता आपके लिए वरदान साबित होगी। भावनाओं में आकर फैसला लेने से बचें।

भारतीय जीवन दृष्टि और प्रेरणा का महत्व

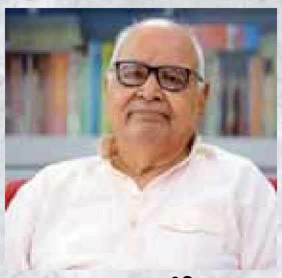

हृदयनारायण दीक्षित

प्रेरणा सामान्य क्षमता की वृद्धि करने वाला असामान्य रसायन है। संभव है कि मस्तिष्क में डोपामाइन जैसा कोई रस इस प्रेरणा के लिए जिम्मेदार हो। प्रेरणा ध्येय निष्ठा के लिए प्रेरित करती है। उत्साह भरती है। स्वाभाविक आलस्य को भी निकट नहीं आने देती। प्रेरणा की शक्ति मूल कार्य में लगने वाली शक्ति की क्षमता को भी प्रभावित करती है। प्रेरित करने वाले तत्व कई प्रकार के हो सकते हैं। वे मोटे तौर पर दो हैं। दो से अधिक भी हो सकते हैं। अच्छे कार्य के लिए उत्साहित करने वाली प्रेरणा। किसी गलत कार्य के लिए उकसाना भी प्रेरणा कहा जा सकता है। महापुरुष प्रेरित करते हैं। स्वयं तपते हैं। समाज को उत्साहित करते हैं। भारतीय जीवन दृष्टि में प्रेरणा का महत्व है। कोई ई रिक्शा चलाने वाला चालक भी उच्चतर परीक्षाओं में अच्छे अंक पाता है। वह प्रेरित करता है। कोई नदी में डूबते हुए व्यक्ति को अपनी जान पर खेल कर बचाता है। यह प्रेरणादायी है। कोई विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के लिए उच्चतम काम करता है। वह प्रेरणादायी है। भारतीय साहित्य और इतिहास ऐसी कथाओं से भरा पूरा है। सामान्यतया राष्ट्र जीवन के उद्देश्यों के लिए काम करने वाले महानुभावों की कथाएं हम सबको प्रेरित करती हैं। उनके गीत गाए जाते हैं। चारों तरफ उनकी कीर्ति फैलती है। वे यशस्वी होते हैं। वे इतिहास की सीमाओं को लांघकर समकालीनता का अतिक्रमण करते हैं। अमर हो जाते हैं। इतिहास उनका अनुसरण करता है। अपने अंतःस्थल में जगह देता है। स्त्री अपने संपूर्ण वैभव में माता है। माता प्रकृति की आदि और अनादि अनुभूति है। इसके बावजूद दुनिया के अनेक देशों में मानव इतिहास के दीर्घकाल तक स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं रही। यूरोप में पुनर्जागरण (रेनेसां) के पहले लाखों महिलाओं को डायन बता कर मार दिया जाता था। लेकिन भारत में महिलाओं की स्थिति इससे भिन्न रही है। यहां सामाजिक विकास के साथ-साथ पुरुष और स्त्री में समानता का अधिकार और सहकार रहा है। ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले तक विवाह संस्था का विकास हो चुका था। जान पड़ता है कि अनेक महिलाएं अपने पति का चुनाव स्वयं करती थीं। ऋग्वेद के दसवें मंडल में उल्लेख है, ''जो महिला स्वयं पति का चुनाव करती है वह भद्र है।'' परिवार में स्त्री की स्थिति काफी सशक्त थी। ऋग्वेद के एक प्रसंग में नव वधू के लिए आशीर्वाद का उल्लेख है, ''वधू परिवार में अपनी सास, ससुर, ननद आदि पर सम्राट की तरह रहे।'' अथर्ववेद के रचनाकाल तक स्त्री समानता का जबरदस्त विकास हो चुका था। अथर्ववेद के एक सुंदर मंत्र में पति पत्नी से कहता है, ''मैं साम हूं। तू ऋक् है। मैं द्यावा हूं। तू पृथ्वी है।'' एक अन्य सुंदर मंत्र में कहते हैं, ''तुम दोनों का भोजन और पानी पीने का स्थान एक हो।'' भारत में उत्तर वैदिक काल से ही स्त्री सम्मान के वातावरण का विकास हो चुका था। स्त्रियां युद्ध में भी हिस्सा लेती थीं। ऋग्वेद के अनुसार विश्पला नाम की महिला का पैर युद्ध में टूट गया था। वेदों की रचनाकार स्त्रियां भी थीं। ऋषि अगस्त्य से तर्क करने वाली लोपामुद्रा ने भी मंत्र रचे थे। उपनिषदों में कहा गया है, ''प्रारंभ में वह अकेला था। उस एक को अकेलेपन के कारण अच्छा नहीं लगा-तस्मात् एकाकी न रमते। उसने दूसरे की इच्छा की-स द्वितीयं ऐच्छत। उसने स्वयं को दो हिस्सों में बांट लिया। आधा पुरुष हुआ, आधा स्त्री। परम सत्ता को अर्धनारीश्वर कहा गया।'' रामकथा में कैकई युद्ध भूमि में अपने पति राजा दशरथ के साथ गई थीं। युद्ध भूमि में ही उन्होंने अपने पुत्र भरत के लिए राज्य मांगा था। गार्गी ने दार्शनिक याज्ञवल्क्य से अनेक प्रश्न पूछे थे। अंतिम प्रश्न पर महाज्ञानी याज्ञवल्क्य भी तिलमिला गए थे। महाभारत की द्रौपदी इतिहास और पुराण कथाओं में छाई हुई हैं। भारतीय इतिहास महिलाओं के त्याग, शौर्य और पराक्रम से भरा पूरा है। अपने शौर्य और पराक्रम के लिए यश पाने वाली अनेक महिलाएं भी प्रेरित करती हैं। इसी परंपरा में मराठा साम्राज्य की प्रतिष्ठित महारानी और इतिहास प्रसिद्ध सूबेदार मल्हार राव होलकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी अहिल्याबाई होल्कर थीं। अल्पायु में ही उनका विवाह हो गया। वे 29 वर्ष की उम्र में ही विधवा हो गईं। होलकर ने अपने शासकीय क्षेत्र से बाहर भी देश के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मंदिर बनवाए। जल संसाधन की चिंता की। कुओं और पेयजल की तमाम व्यवस्थाएं की। सड़क बनवाई। गरीबों के लिए निशुल्क अन्न क्षेत्र खोले। समाज के सभी क्षेत्रों में उनकी सक्रियता उल्लेखनीय रही। उनके काम लोकमत की सराहना का विषय बने। सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी उन्होंने कराया था और वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर का भी। महिलाओं की शिक्षा के लिए संस्थाएं खोली। समाज जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उन्होंने बढ़-चढ़ कर का हिस्सा लिया। सन 1725 में उनका जन्म हुआ था। मराठा हिंदू परिवार में चैंडी गांव में उनका जन्म हुआ था। खास बात है कि 18वीं सदी में भी उनके कार्य प्रेरक थे और भारतीय समाज का आज भी मार्गदर्शन करते हैं। उनके व्यक्तित्व में माता की ममता थी और पुरुष जैसा शौर्य पराक्रम। तत्कालीन समाज ने उन्हें आदर के साथ देखा। देखते ही देखते समाज के बड़े वर्ग ने उन्हें देवी जैसा सम्मान दिया। विभिन्न पुराण कथाओं के मिथक जैसी स्मरणीय नेत्री बनीं। वे अखिल भारतीय स्तर पर सब जगह श्रद्धा का विषय बनी रहीं और अपने निधन (13 अगस्त 1795) के 229 वर्ष बाद भी लोकप्रिय हैं। वे जीवित होतीं तो 300 वर्ष की होतीं। लेकिन इससे क्या वे न होकर भी राष्ट्रीय आदर की पात्र हैं। समाज को प्रेरित करने वाले ऐसे प्रतीक प्रायः कम ही मिलते हैं। आश्चर्य है इतिहास में उनके पद प्रतिष्ठा के सापेक्ष उन्हें जगह नहीं मिली। ऐसे संगठन और कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं जो उनके स्मरण में श्रद्धापूर्वक अभियान चला रहे हैं। लोक इतिहास से बड़ा होता है। इतिहास की संपदा की तुलना में लोक ज्यादा समृद्ध होता है। राजा हरिश्चंद्र को भी इतिहास में प्रायः जगह नहीं मिली।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025 में गुजरात का सफर समाप्त, मुंबई ने 20 रन से हराया

न्यू चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंच गई है। अब उसका सामना एक जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से होगा। शुक्रवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 228 रन बनाए। जवाब में गुजरात निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर सिर्फ 208 रन बना पाई और यह मुकाबला 20 रन से हार गई। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए। लक्ष्य पीछा करने उतरी गुजरात टीम की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ एक रन बना पाए। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद क्रीज पर आए कुसल मेंडिस हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ 34 गेंदों में 64 रनों की साझेदारी निभाई। इसमें मेंडिस का 20 रनों का योगदान रहा। फिर सुदर्शन को वाशिंगटन सुंदर का साथ मिला। दोनों के बीच 44 गेंदों में 84 रनों की साझेदारी हुई। सुंदर ने 48 और सुदर्शन ने 80 रन बनाए। वहीं, रदरफोर्ड ने 24, शाहरुख खान ने 13 रन बनाए। राहुल तेवतिया 16 और राशिद खान खाता खोले बिना नाबाद रहे। मुंबई इंडियंस के लिए ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीसन, मिचेल सैंटनर और अश्विनी कुमार ने एक-एक विकेट झटके। इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते

क्वालिफायर 2 में मुंबई का पंजाब किंग्स से होगा समाना

हुए रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो की सलामी जोड़ी ने मुंबई को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। साई किशोर ने इस मैच में डेब्यू करने वाले बेयरस्टो को गेराल्ड कोएत्जी के हाथों कैच कराया। वह 22 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित को सूर्यकुमार यादव का साथ मिला। दोनों ने 34 गेंदों में 59 रन जोड़े। इस दौरान सूर्यकुमार ने 20 गेंदों का सामना किया और 33 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस मैच में रोहित शर्मा ने 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में 300 छक्के भी पूरे कर लिए। वह आईपीएल में 300 छक्के का आंकड़ा छूने वाले पहले सक्रिय खिलाड़ी बन गए। अब उनके नाम 302* छक्के दर्ज हो गए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है। हिटमैन ने तिलक वर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 43 रन जोड़े। पूर्व कप्तान 50 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के की मदद से 81 रन बनाने में कामयाब हुए। वहीं, तिलक 11 गेंदों में 25 और नमन धीर नौ रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या नौ गेंदों में तीन छक्के की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि सैंटनर बिना खाता खोले नाबाद रहे। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने दो-दो विकेट झटके जबकि मोहम्मद सिराज को एक सफलता मिली।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की मजबूत शुरुआत, करुण नायर ने ठोका नाबाद शतक

नई दिल्ली। भारत ए के अनुभवी बल्लेबाज़ करुण नायर ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को नाबाद शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पेश की है। नायर ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी की और दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद रहे।

जल्दी गिरे विकेट, नायर ने संभाली कमान– मैच की शुरुआत में ही भारत ए को बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन महज़ 8 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद छठे ओवर में बल्लेबाज़ी के लिए उतरे नायर ने शुरुआत में ही एक बाउंड्री लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। यशस्वी जायसवाल ने कुछ देर साथ निभाया और एक शानदार छक्का भी जड़ा, लेकिन वह 24 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

सरफराज के साथ 181 रनों की साझेदारी– इसके बाद करुण नायर को सरफराज खान का साथ मिला और दोनों ने मिलकर इंग्लैंड लायंस के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाना शुरू किया। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेज़ी से रन बनाए और स्कोरबोर्ड को लगातार आगे बढ़ाते रहे। जब दोनों खिलाड़ी 90 के करीब थे, तभी लायंस को सफलता मिली और सरफराज 92 रन पर आउट हो गए। उनकी और नायर की साझेदारी 181 रनों की रही।

जुरेल के साथ एक और बड़ी साझेदारी– सरफराज के आउट होने के बाद करुण नायर ने विकेटकीपर बल्लेबाज़ ध्रुव जुरेल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने अगले 34 ओवरों तक कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और लायंस की गेंदबाज़ी की कमर तोड़ दी। आईपीएल के बाद कम समय में ही मैदान में उतरे इन दोनों बल्लेबाज़ों ने थकान को दरकिनार कर ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की।

नायर 186 और जुरेल 82 रन पर नाबाद– करुण नायर और ध्रुव जुरेल के बीच 177 रनों की नाबाद साझेदारी हुई और भारत ए ने दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 409 रन बना लिए। नायर 186 रन पर नाबाद हैं और अब वह अपने दोहरे शतक के बेहद करीब हैं।

हेजलवुड को आईपीएल का लाभ डब्ल्यूटीसी फाइनल में मिलने की उम्मीद

चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरने के बाद आईपीएल में अच्छी वापसी की है जबकि कई अन्य खिलाड़ी अगले माह होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए स्वदेश लौट गये है। वहीं हेजलवुड का मानना है कि लय हासिल करने के लिए मैच खेलना सबसे अच्छा होता है। उनका ये भी कहना है कि इससे उन्हें (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में सहायता मिलेगी। हेजलवुड ने वापसी के बाद भी शानदार गेंदबाजी की है। पहले क्वालीफायर में ही इस गेंदबाज ने 3.1 ओवर में 21 रन पर तीन विकेट लेकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत में भी अहम भूमिका निभाई है। हेजलवुड के इस प्रदर्शन से पता चलता है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए उनकी तैयारी बेहतर होती जा

रही है। आरसीबी के लिए एक माह के बाद मैदान में उतरे हेजलवुड ने कहा, 'मुझे गेंदबाजी करनी है, आप जानते हैं कि मैं दुनिया में कहीं भी रहूं, मुझे उस डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तैयार होने के लिए गेंदबाजी करनी है। मुझे लगता है कि तैयारी के लिए मैदान पर खेलने से अच्छी कोई जगह नहीं है। ये सही है कि आपको अधिक गेंदबाजी करनी होगी और टेस्ट के लिए समय-समय पर अधिक घंटे प्रशिक्षण लेना होगा। मैच के लिए लय हासिल करने के लिए आईपीएल से बेहतर कोई जगह कोई और नहीं है। हेजलवुड को टेस्ट प्रारुप का गेंदबाज माना जाता था पर उन्होंने टी20 प्रारूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने श्रेयस अय्यर और जोश इंग्लिस जैसे बल्लेबाजों को भी आउट किया है। उन्होंने कहा, ' मैं वैसी ही गेंदबाजी की जैसी की टेस्ट मैचों में भी करता हूं। हेजलवुड ने इस सत्र में केवल 11 मैचों में 21 विकेट लिये हैं और इस दौरान उनका औसत 15.80 का रहा है। हेजलवुड ने कहा, 'मैंने पिछले कुछ सप्ताह में वापसी के लिए अपने कंधों पर बहुत मेहनत की है और पिछले 10 दिनों में अच्छी गेंदबाजी की और अब यहां आकर अच्छा लग रहा है। यहां पिच से मदद मिल रही थी।साथ ही कहा कि मुझे तेज यॉर्कर या अतिरिक्त प्रयास वाली गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी। इसके अलावा अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के होने से भी काफी सहयोग मिला।

अर्शदीप इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेंगे : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के

काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है।

गुजरात की हार पर टूटा नेहरा के बच्चों का दिल, रोते हुए गिल की बहन ने हौसला दिया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान शानदार खेल दिखाते हुए आखिर तक टॉप पर रहने वाली गुजरात टाइटंस का सफर खत्म हो गया है। एलिमिनेटर में टीम मुंबई इंडियंस से हार गई। दिल तोड़ने वाली हार के बाद टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टीम के कोच आशीष नेहरा के बच्चे मैच के बाद फूट फूट कर रोते दिखाई दिए। वहीं कप्तान शुभमन गिल की बहन भी निराश दिखी और कोच के बच्चों के संभाला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात को एलिमिनेटर में 20 रन से हारकर आईपीएल 2025 से विदा होना पड़ा। पहले बल्लेबाजी कर रोहित शर्मा की धुंआधार 81 रन की पारी की बदौलत टीम ने 5 विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में कड़ी टक्कर देने के बाद भी टीम 6 विकेट पर 208 रन बना सकी। हार के बाद खिलाड़ियों के परिवार वाले काफी दुखी दिखाई

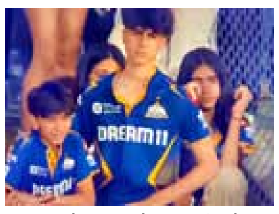

दिए। इसमें मुख्य कोच आशीष नेहरा के बेटे और कप्तान शुभमन गिल की बहन शाहनील भी शामिल थीं। मैच के बाद सभी टीम की हार से दुखी होकर रोते हुए नजर आए। जब मैच खत्म हुआ तब कोच नेहरा के बच्चे बुरी तरह से मायूस नजर आए। बेटा रोता हुआ आगे स्टेट तक गया, जबकि बेटी अपनी जगह पर बैठी रही। इस बीच गिल की बहन का रिएक्शन वायरल हो रहा है। उन्होंने नेहरा की बेटी के पास जाकर संभाला। शहनील गिल अपना जगह से उठकर नेहरा की बेटी के पास गई और उसे सामने घुटने पर बैठी फिर उन्हें गले लगाकर हौसला दिया।

व्यापार

शेयर बाजार में दो दिन तेजी, तीन दिन गिरावट रही

- सेंसेक्स 182 अंक की गिरावट के साथ 81,451 पर बंद
- निफ्टी 82 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। शेयर बाजार में सप्ताह में दो दिन बढ़त और तीन दिन गिरावट पर कारोबार हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी अपील अदालत की ओर से पारस्परिक शुल्कों को अस्थायी रूप से बहाल करने के बाद व्यापार अनिश्चितता फिर बढ़ गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार का पांच दिन का कारोबार इस प्रकार रहा- भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मजबूती के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,928.95 पर खुला और 455 अंक चढ़कर 82,176 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला और 148 अंक की तेजी रही, ये 25,001 के स्तर पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला और 624.82 अंक की गिरावट के साथ 81,551.63 पर बंद हुआ ! नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला और 174.95 अंक की गिरावट के साथ 24,826.20 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला और 239 अंक की गिरावट के साथ 81,312 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी-50

24,832 अंक पर लगभग फ्लैट खुला और 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,752 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,591.03 पर खुला और 320.70 अंक चढ़कर 81,633.02 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,825.10 पर खुला और 81.15 अंक बढ़कर 24,833.60 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219 अंक गिरकर 81,414.02 पर खुला और 182.01 अंक की गिरावट के साथ 81,451.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 53.6 अंक गिरकर 24,780 पर खुला और 82.90 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद हुआ।

इंडिगो एयरलाइंस को भारत सरकार का फरमान, तुर्की के साथ खत्म करो विमान लीज समझौता

नई दिल्ली । पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्की को कड़ा संदेश देते हुए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइन को टर्किश एयरलाइंस के साथ अपने विमान लीज समझौते को तीन महीने के भीतर खत्म करने का निर्देश दिया। इंडिगो ने टर्किश एयरलाइंस से दो बोइंग 777 विमान पट्टे पर ले रखे हैं, जिसके लिए उसे 31 मई तक की अनुमति थी। कंपनी ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से इस अनुमति को छह महीने तक बढ़ाने की मांग की थी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय ने अब इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उड़ान में तत्काल व्यवधान के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए इंडिगो को 31 अगस्त तक तीन महीने का विस्तार दिया गया है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। इंडिगो को इन किराए के विमानों के लिए 31 अगस्त 2025 तक तीन महीने की आखिरी और अंतिम विस्तार अवधि दी गई है। यह अनुमति एयरलाइन के इस वादे के आधार पर दी गई है कि वह इस अवधि में टर्किश एयरलाइंस के साथ किराए का समझौता खत्म कर देगी और इसके लिए आगे कोई विस्तार नहीं मांगेगी। इंडिगो का टर्किश एयरलाइंस के साथ भी कोडशेयर समझौता भी है। पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के पाकिस्तान के साथ खड़े होने के बाद केंद्र ने 15 मई को तुर्की की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा था, तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। मौजूदा हालात को देखते हुए यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन

गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश में सेलेबी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद तुर्की ने पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। भारत द्वारा पड़ोसी देश में प्रमुख आतंकी ठिकानों पर हमला करने के बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले में तुर्की के ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि एयरलाइन टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए विमानों के साथ अपने परिचालन को नियंत्रित करने वाले सभी नियामक ढांचे का पूरी तरह से अनुपालन कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पट्टों के नवीनीकरण का निर्णय केंद्र सरकार करेगी।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प

हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के

कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

जीएसटी पंजीकरण में देरी के दावों को सीबीआईसी ने खारिज किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शनिवार को जीएसटी पंजीकरण में देरी और भ्रष्टाचार के बारे में सोशल मीडिया पर प्रसारित दावे को खारिज कर दिया है। सीबीआईसी ने कहा कि आवेदक ने अभी तक दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा मांगे गए विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं। सीबीआईसी के मुताबिक एक व्यक्ति ने पेशेवरों के लिए सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर बताया कि कैसे 20 दिन पहले आवेदन करने के बाद भी उसे जीएसटी पंजीकरण नहीं दिया गया है। इसको 'एक्स' पोस्ट पर एक अन्य उपयोगकर्ता ने साझा किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि जीएसटी पंजीकरण देने में 'भ्रष्टाचार' है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने 'एक्स' पोस्ट पर ही मामले के तथ्य दिए और कहा कि आवेदन इस सप्ताह 26 मई, 2025 को दायर किया गया था, जिसे दिल्ली राज्य जीएसटी को सौंपा गया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं थी। सीबीआईसी ने बताया कि दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों के अनुसार मामले को तुरंत संसाधित किया गया था और कंपनी की ओर से किराया समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पदनाम नहीं होने के बारे में सवाल किया गया था। सीबीआईसी ने कहा, "इस स्तर पर, एआरएन करदाता पक्ष से उत्तर के लिए लंबित था और करदाता को इसकी विधिवत जानकारी दे दी गई थी। लंबित जानकारी प्राप्त होने पर दिल्ली जीएसटी अधिकारियों द्वारा आवेदन पर कार्रवाई की जाएगी।" केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी 'एक्स' पोस्ट पर सीबीआईसी के पोस्ट को रीपोस्ट कर कहा, "सीबीआईसी की ओर से विस्तृत जवाब। करदाताओं को सेवा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। करदाताओं की सेवा करते समय, उनका विश्वास और भरोसा जीतने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी बहुत जरूरी है।

केंद्र सरकार ने लोगों को दी राहत, कच्चे तेल पर आयात शुल्क घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत लागू किया गया है। इससे बाजार में खाने के तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। भारत खाद्य तेल का लगभग आधा हिस्सा विदेश से आयात करता है, इसलिए इस आयात शुल्क में कमी का असर सीधे तेल की खुदरा कीमतों पर पड़ेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इससे घरेलू बाजार में तेल सस्ता होगा और तेल रिफाइनिंग इंडस्ट्री को भी मजबूती मिलेगी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि तीनों कच्चे तेलों पर अब कुल प्रभावी आयात शुल्क करीब 16.5 प्रतिशत रह गया है, जो पहले 27.5 प्रतिशत था। हालांकि, यह राहत केवल कच्चे तेलों पर दी गई है, रिफाइंड पाम तेल और अन्य रिफाइंड तेलों पर अभी भी 32.5 प्रतिशत आयात शुल्क लागू रहेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे और रिफाइंड तेलों के बीच आयात शुल्क के अंतर को बढ़ाने से घरेलू तेल उद्योग को फायदा होगा और रिफाइंड तेल के आयात में कमी आएगी।

फिल्म मां का ट्रेलर रिलीज

बेटी को शैतान से बचाने के लिए रक्षक और भक्षक बनीं काजोल

काजोल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है और अब पहली बार वह एक हॉरर फिल्म मां में भी काम कर रही हैं, जो पिछले कुछ समय से चर्चा में है। फिल्म के पोस्टर सामने आने के बाद अब इसका ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। देवगन फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार फैंस बड़ी बेसब्री से कर रहे थे, जो अब आखिरकार खत्म हो गया है। काजोल का पहली बार किसी फिल्म में इतना खौफनाक अवतार देखने को मिल रहा है। उनका किरदार एक ऐसी मां का है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए रक्षक के साथ-साथ भक्षक बन जाती है। शैतान को हराने के लिए तैयार काजोल की फिल्म का ट्रेलर सिहरन पैदा करता है। उनका रौद्र रूप डराता है। इसमे दिखाया गया है कि कैसे एक मां अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक चली जाती है। फिल्म के ट्रेलर को लोगों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। एक यूजर ने लिखा, भाई वाकई हिलाकर रख दिया। एक लिखते हैं, जबरदस्त खौफनाक दृश्य। एक ने लिखा, ये तो मुंज्या और स्ट्रेंजर थिंग्स से भी दो कदम आगे निकली। एक कमेंट है, ये फिल्म यकीनन हिट होने वाली है। वीएफएक्स भी बेहतरीन हैं, वहीं लोग काजोल की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा, काजोल ने फिर कमाल कर दिया। रोंगटे खड़े हो गए। इय फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है, जो छोरीऔर छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। मांको अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। उधर काजोल के साथ इस फिल्म में बाल कलाकार खीरिन शर्मा नजर आएंगी, जो इसमें उनकी बेटी बनी हैं। मां 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म महारागनी: क्वीन ऑफ क्वींसहै, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे। दोनों ने पहले साल 1997 में आई तमिल फिल्म मिनसारा कनवु में साथ काम किया था। अब 27 साल बाद फिर नों साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, जीशु सेनगुप्ता, आदित्य सील और छाया कदम ने भी अहम भूमिका निभाई है।

परम सुंदरी का टीज़र रिलीज़, प्यार में डूबे सिद्धार्थ-जाह्नवी

इंटरनेट पर छाई सोनू निगम की आवाज

निर्देशक तुषार जलोटा की फिल्म परम सुंदरी का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म में नॉर्थ और साउथ की लव स्टोरी दिखाई गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म की छोटी झलक में लव, एक्शन, ड्रामा सब कुछ देखने को मिला।

मैडॉक फिल्म्स अनोखी लव स्टोरी लेकर आ रहा है, जिसमें नॉर्थ और साउथ का मेल दिखाया जाएगा। आज दिनेश विजन की रोमांटिक ड्रामा फिल्म परम सुंदरी का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की प्रेम कहानी नजर आ रही है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी का पहला पोस्टर पहले ही रिलीज किया जा चुका है। फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में सिद्धार्थ नॉर्थ इंडिया के परम बने हुए हैं, वहीं जान्हवी साउथ इंडिया की सुंदरी बनी हैं। मैडॉक्स फिल्म्स ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म परम सुंदरी का टीजर रिलीज किया और कैप्शन में लिखा, जहां उत्तर की आग दक्षिण की कृपा से मिलती है, वहाँ साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी बनती है। दिनेश विजान प्रस्तुत करते हैं परम सुंदरी, तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित एक प्रेम कहानी, जो 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है। परमसुंदरी का पहला लुक अभी जारी हुआ है। मैडॉक फिल्म्स ने अपनी नई फिल्म परम सुंदरी का टीजर जारी कर फैंस को खुश कर दिया हैय़ टीजर से साफ पता तल रहा है कि यह परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और सुंदरी (जान्हवी कपूर) की लव स्टोरी है। टीजर की शुरुआत में सिद्धार्थ का परम के नाम से इंट्रोडक्शनकिया जाता है, जो नॉर्थ के गुरुग्राम शहर में काम करता है। इसके बाद जान्हवी का इंट्रोडक्शन सुंदरी के नाम से होता है। दोनों की लव स्टोरी में कई ट्विस्ट देखने को मिले। बीच में मामला थोड़ा बिगड़ा नजर आता है क्योंकि एक सीन में सिद्धार्थ यानी परम के पीछे गांव के कुछ लोग चाकू, छुरी लेकर दोड़ते दिखाई देते हैं, जिससे वो बचकर भागते नजर आते हैं। आगे कि लव स्टोरी क्या होगी, यह तो

फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। यह फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म को तुषार जलोटा ने निर्देशित किया है और दिनेश विजन ने इसका निर्माण किया है। फिल्म के टीजर के बैकग्राउंड में चल रहे गाने के सोनू निगम ने गाया है। यह गाना सुनकर यूजर्स सोनू निगम की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इस गाने से मुझे 90ह्य के सोनू और रहमान याद आ रहे हैं। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, सोनू निगम को रोमांटिक गानों में कोई मात नहीं दे सकता..।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में अब खुलेंगे बड़े राज !, रसीली बनकर आ रही एक्ट्रेस दीक्षा धामी

टीवी शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में चैना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीक्षा धामी अब बिल्कुल अलग भूमिका में नजर आने वाली हैं। दरअसल, वह रसीली नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी, जो काफी बेबाक अंदाज की लड़की है। दीक्षा धामी ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, रसीली, चैना से बिल्कुल अलग है। वह मजबूत, निडर और बेबाक लड़की है। जहां चैना शांत और सौम्य है, वहीं रसीली अपने मन की बात खुलकर कहती है और हर हालात को संभाल लेती है। उसका लुक भी बहुत दिलचस्प है। मेरे लिए एक कलाकार के तौर पर यह नया बदलाव है। रसीली का किरदार निभाने के लिए एक्ट्रेस को यूपी का एक्सेंट सीखना पड़ा। एक्ट्रेस ने कहा, यूपी का एक्सेंट सीखने के लिए मैंने कई वीडियोज देखे, स्थानीय

लोगों को ध्यान से सुना, और सही बोली सीखने के लिए खूब प्रैक्टिस भी की। रसीली का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि यह मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर था। लेकिन इस मुश्किल काम को करते हुए मुझे हर पल बहुत मजा आया और मैंने इस चुनौती का पूरी तरह आनंद लिया। शो में रसीली एक खास मकसद से आई है, वह अपने प्यार जयवीर को वापस पाना चाहती है और साथ ही चमकीली और तापस्या की धोखाधड़ी का पर्दाफाश करना चाहती है। चैना जहां अपने दर्द को चुपचाप सहती रही, वहीं रसीली लड़ने के लिए तैयार रहती है। रसीली को जो सही लगता है, उसके लिए वह संघर्ष करने में हिचकिचाती नहीं है। शो में रसीली की मौजूदगी से छुपे हुए राज सामने आएंगे और रिश्तों में दरारें भी पैदा होंगी। बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन शो शेमारू उमंग पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है। इससे पहले दीक्षा 2024 में दंगल टीवी पर प्रसारित हुए टीवी शो मिल के भी हम ना मिले में नजर आई थीं।

व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में पलक तिवारी ने दिखाया कातिलाना अंदाज़, फैंस बोले- अब तक की सबसे खूबसूरत लड़की

सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने फैशन सेंस से फैंस को दीवाना बना दिया है. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं. ब्लू बैकग्राउंड के सामने स्टाइलिश पोज़ देती पलक का यह लुक काफी एलिगेंट और ग्लैमरस लग रहा है.तस्वीरों में पलक ने सिंपल लेकिन स्टाइलिश व्हाइट ड्रेस पहनी है, जिसमें लेस डिटेलिंग और प्लीटेड हेमलाइन है. इसके साथ उन्होंने हाथों में कई ब्रैसलेट्स पहन रखे हैं जो उनके लुक को कम्प्लीट कर रहे हैं. बाल खुले और मेकअप न्यूड टोन में रखा गया है, जो उनके नेचुरल ब्यूटी को और निखार रहा है. फैंस के कमेंट्स भी देखने लायक हैं. एक यूज़र ने लिखा- अब तक की सबसे खूबसूरत लड़की, तो किसी ने उन्हें फैशन डीवा कहा. पोस्ट पर अब तक 50 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स की बौछार लगी हुई है. पलक तिवारी ने कुछ ही समय में इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है. चाहे वो म्यूज़िक वीडियो हो, रेड कार्पेट इवेंट्स हों या सोशल मीडिया पोस्ट्स, हर बार उनका लुक चर्चा में आ ही जाता है. उनका ये लेटेस्ट फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि फैशन में भी ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं.

Police successfully organized riot drill, 5 jawans got cash prize for excellent performance

Dhamtari, A successful practice of riot drill was conducted today in Dhamtari Police Line for emergency and crowd control. In this mock drill organized under the guidance and presence of Superintendent of Police Suraj Singh Parihar, the policemen showed better performance and improved their previous mistakes. During the drill, the Superintendent of Police took the salute of the parade and after inspection, various teams practiced to deal with the situation of riot. Under the leadership of Reserve Inspector Deepak Sharma, different teams including tear gas party, cane party, lathi party, rifle party, medical party and reserve party were formed for the riot drill, which were given guidelines for the assigned tasks. In the drill, the police personnel played different roles and displayed excellent mutual coordination and reaction skills. While reviewing the drill, Superintendent of Police Mr. Parihar said that this time the performance was better than before. He described the mock drill as very useful for maintaining peace and order in emergency situations like riot. He said that if the law and order situation in the district deteriorates, then such exercises make the police force ready and capable. During the parade inspection, 22 officers and employees were praised for excellent uniforms, while R. Parmeshwar Kapoor, Ghanshyam Sahu and Manish Chakradhari were reprimanded for undisciplined uniforms. On the other hand, Inspector Chandrakant Sahu, Sub Inspector Ishu Kumar Sahu, Prar Ravi Jagne, R. who gave correct answers to the questions asked during the riot drill. Kishan Sonkar and Phageshwar Markam were given a cash prize of Rs. 100 each as an encouragement along with an entry in their service book. On this occasion, Deputy Superintendent of Police Headquarters Ms. Meena Sahu, Deputy Superintendent of Police Ajak Ms. Monika Marawi, Reserve Inspector Deepak Sharma, Police Station Incharge and other officers and employees of the district were present. Through the riot drill, the police force once again proved that they are fully prepared to deal with any emergency situation.

Ration scam exposed in ward number 42, FIR being prepared against the operator

Bilaspur, Large scale irregularities have been revealed in a ration shop operated under the public distribution system in ward number 42 of Municipal Corporation Bilaspur. Investigation by the Food Department revealed that a huge shortage of 285.48 quintals of rice was found in the shop ID 401001134, which was being operated by Amitesh Rai. The estimated amount of this embezzlement is estimated to be around 11 lakh 40 thousand rupees. The Food Department found serious irregularities in ration distribution during a routine inspection of this shop on 23 August 2024. After this, a show cause notice was issued to the operator. The department sent notices several times and tried to seek answers by giving three days' time, but the operator Amitesh Rai neither gave any explanation nor compensated for the embezzled ration. Seeing the seriousness of the situation, the department suspended the operation of the shop on 20 September 2024. After this, on 5 October 2024, the operation of the shop was handed over to 'Gauri Mahila Bahuddeshiya Sahakari Samiti' (ID 402001157). In the investigation and panchnama, it was clearly revealed that a large amount of ration—especially rice—has been embezzled. Now the department, taking a tough stand, is in the process of registering an FIR against the operator Amitesh Rai. Departmental sources say that despite repeated warnings and notices in the last 10 months, no response was received from the operator, which makes it clear that this is not a case of negligence but a well-planned embezzlement. This incident has pointed towards the serious flaws prevailing in the government ration distribution system. The district administration is now preparing to take strict legal action in this case so that such irregularities can be curbed in future and the needy can get their rights on time and in the right quantity.

Grand celebration of Sushasan Tihaar, hundreds of beneficiaries benefited from public welfare schemes

Dhamtari, Under the aegis of the Public Relations Department, the district level event of Sushasan Tihar was organized with great pomp in the Maize Garden of Dhamtari. Mayor Ramu Rohra and Collector Avinash Mishra attended the program as chief guests. On this occasion, information about government schemes was provided, as well as recreational sports activities and cultural presentations entertained the people present. Addressing the program, Mayor Ramu Rohra said that the Chhattisgarh government under the leadership of Chief Minister Shri Vishnudev Sai is organizing Sushasan Tihar with the aim of quick resolution of the problems of the common people. He informed that through the camps, the work related to license, ration card, labor card and revenue is being resolved on the spot. He said that the government does not run away from the problems, but goes among the people and solves them, which is the biggest achievement of the Sai government. The mayor also called for active participation of citizens in making the city clean. Collector Avinash Mishra said in his address that the main objective of Sushasan Tihar is to disseminate information about the welfare schemes of the government to the general public and establish communication with the beneficiaries. He informed that more than two lakh problems have been resolved quickly in about 40 solution camps organized in the district so far. He appealed to the citizens to motivate the eligible people around them to get the benefits of the government schemes. A large number of citizens including youth participated enthusiastically in the program. Quiz based on government schemes, traditional folk dance, performances by local artists and sports competitions added special attraction to the programme. Sharing their experiences, the beneficiaries said that they have received the benefits of pension, ration card and other schemes promptly, which has brought a positive change in their lives. Sushasan Tihaar has strengthened public confidence even more by acting as a bridge between the government and the public. The beneficiaries expressed their gratitude to Chief Minister Vishnudev Sai and appreciated this innovative initiative.

Excise department conducted raids overnight and recovered 80 thousand liters of ethanol: Harpal Cheema

Chandigarh, Punjab Excise Department Minister Harpal Singh Cheema said on Friday that the Excise Department took a major action in the case of fake liquor in the state and conducted raids throughout the night on Thursday. During the raid, a large consignment of about 80 thousand liters of ethanol loaded in two trucks was seized in Bathinda and many people associated with it were arrested. Cheema said that both the trucks caught with ethanol had Gujarat number plates, which clearly shows that it was brought from Gujarat. Two Toyota Etios and one Innova SUV cars related to the incident were also seized. Apart from this, eight people related to the case have been arrested and all have been booked under serious sections with provisions for punishment like life imprisonment. Among those arrested, four people are from Bathinda, two from Uttar Pradesh and two from Nepal. The Excise Department and Police are interrogating all of them. Cheema said that with the amount of ethanol seized today, about 3.75 lakh bottles of country liquor can be made. About 2.5 lakh bottles of foreign liquor can be made. 1.1 lakh bottles of sanitizer could be made. If this much liquor was prepared and distributed properly, thousands of lives could have been in danger. Therefore, this action is a big success for the government. He warned that those making fake liquor should stop their business as soon as possible, otherwise strict action will be taken against all of them and they will be sent to jail. He said that some people smuggle ethanol in Punjab and take it to other states and make liquor there. Some people make liquor within Punjab and sell it. Some people make liquor in the name of making sanitizer. In this case, one such factory is VRV Hospitality Private Limited, Dinanagar, Gurdaspur, where ethanol was loaded in both the trucks. Excise officials are investigating where it was to go and for what purpose it was to be used. Information is being collected about each and every thing so that the matter can be investigated. He said that our team had received secret information about where the truck was going to leave from and which route, after which we surrounded it from all sides and managed to catch it by setting up checkpoints. Such action will continue in future as well.

Mock drill will be conducted today under 'Operation Shield' in the states and union territories bordering Pakistan

New Delhi, In a significant move to enhance national security preparedness, civil defence mock drills will be conducted on Saturday under 'Operation Shield' in several states and union territories sharing borders with Pakistan. The mock drill exercise will begin at 5 pm on Saturday and will be conducted in Punjab, Rajasthan, Gujarat, Jammu and Kashmir, Haryana and Chandigarh, with focus on areas closest to the border and most vulnerable to cross-border threats. The exercise was earlier scheduled for May 29, but was rescheduled due to administrative reasons. According to administrative officials, this exercise will be an important medium to test the coordination and response system between civilians, security forces and administrative agencies. 'Operation Shield' is designed to defend against hostile attack, involving air raid sirens, blackout protocols and various emergency response actions to evaluate the preparedness of civil authorities, emergency services and the local population. The aim of the exercise is to replicate real time scenarios arising from potential external threats in sensitive districts along the Line of Control (LoC) and International Border (IB) to test and strengthen the preparedness, response capability and coordination of the security forces. According to official sources, a complete blackout will be imposed in identified sensitive civilian areas of Punjab, excluding essential services such as hospitals and emergency response units. Sirens will be sounded to alert residents, and mock response measures will be implemented to test the effectiveness of the community and response agencies under pressure. Government officials said the previous exercise conducted across the country had revealed several operational deficiencies, necessitating a follow-up exercise, particularly focusing on high-risk areas. The initiative underscores the government's ongoing efforts to strengthen civil security mechanisms amid growing regional security concerns. The exercise is expected to significantly improve inter-agency coordination, public awareness, and the capability of local systems to respond quickly and efficiently in the event of hostile action or natural calamity in border areas.

Villagers of Lepra village built a kutcha road by donating their labour

Korba, The Sarpanch and villagers of Gram Panchayat Lepra under Podi-Uporda district of the district have set an example by doing Shramdaan. It is being told that the tarred road connecting village Lepra to the main road was washed away in the strong current of the Tan river last year. Due to this, the villagers were facing a lot of trouble and danger in commuting for the last one year. This road was very important not only for the students going to school, but also for the sick and for everyday tasks. Although a few months ago the district collector had sanctioned Rs 1 crore 20 lakh for the construction of this road under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana, but till date no work has been started on it. Tired of this situation, the villagers accused the officials of indifference and administrative negligence. A meeting of the villagers was called under the leadership of Kumari Chandrakala Porte, Sarpanch of Gram Panchayat Lepra, in which it was decided to repair the road by donating their own labour. Thereafter, the youth, women and elders of the village together temporarily repaired the damaged road by adding soil and gravel so that movement could be facilitated. The villagers say that if the administration had started the work on time, they would not have to take this risk. Now they want that permanent construction work should start soon with the approved amount. This incident is a clear example of both the administration's negligence and the unity of the villagers.

WOMEN WEARING SINDOORI COLOURED SARIS REACHED BHOPAL TO LISTEN TO PM MODI

Bhopal, A large number of women have arrived in Bhopal wearing sindoori coloured saris to listen to PM Modi. The women say that they want to express their gratitude to PM Modi for the success of 'Operation Sindoor'. The Prime Minister will attend the Lokmata Devi Ahilyabai Mahila Empowerment Maha Sammelan in Bhopal at around 11:15 am. Here he will inaugurate and lay the foundation stone of several major infrastructure and development projects aimed at empowering women and enhancing civic infrastructure. Women dressed in sindoori saris expressed their eagerness to listen to PM Modi. A woman said that we are very excited about the arrival of PM Modi. We woke up at six in the morning and left the house to listen to the PM. Another woman said that we are ready to welcome PM Modi. PM Modi started Operation Sindoor for the safety of women. This operation was a military operation for the safety of women. We gave a befitting reply to Pakistan. Our soldiers have avenged the Pahalgam terrorist attack. Jyoti said that we are very impressed with the work of PM Modi. Women have got self-employment due to his schemes. All the women who came with me are very impressed with the work of PM Modi. There has never been a PM in the country who has worked for the upliftment of the women of the country. Shobha said that she is very happy that PM Modi is coming to Bhopal. Today we all are coming to listen to him. Let us tell you that during this visit to Madhya Pradesh, Prime Minister Modi will release a commemorative postage stamp and a special coin of Rs 300 in honor of Ahilyabai Holkar, which will have her picture. He will also present the National Devi Ahilyabai Award to an eminent female artist in honor of her contribution to tribal, folk and traditional arts.

Kamal Haasan's troubles increased, the government can ban his films if he does not apologize; this is the matter

New Delhi, Actor Kamal Haasan's statement on Kannada language has created a controversy in Karnataka. Karnataka's Kannada and Culture Minister Shivaraj Tangadgi has threatened to ban Kamal Haasan's films, as the actor has refused to apologize for his statement. The controversy started during the audio launch event of his upcoming film Thug Life, where Kamal Haasan said that "Kannada language is born from Tamil." "My life and family are Tamil. Your (Kannada) language is born from Tamil, so you are also included in it," he said at the event in Chennai. There was a strong reaction in Karnataka after this statement. Many organizations, especially 'Kannada Rakshak Veda', called it an insult to Kannada language and culture. Protests took place in Belgaum, Mysore, Hubli and Bengaluru and posters of Kamal Haasan were burnt. Minister Shivaraj Tangadgi said, "No matter how big one is, speaking against the Kannada language, Kannadigas or the land and culture of Karnataka will not be tolerated." He had written a letter to the Karnataka Film Chamber of Commerce (KFC) demanding a ban on Kamal Haasan's films. The SNS had given Kamal Haasan time till May 30 to apologise, but the actor refused to do so. SNS president M. Narasimhalu said, "We have told theatre owners and distributors that the film Thug Life will not be released in Karnataka until an apology is received." Reacting to this, Kamal Haasan said, "I said this with love. If I am wrong, I will apologize, otherwise not." Citing the example of Tamil Nadu's inclusive culture, he said that people from different communities have become Chief Ministers there. The film Thug Life is scheduled to release on June 5, but its release in Karnataka seems to be in danger. Kannada organizations have also filed a complaint against the actor with the Bangalore Police, although no FIR has been registered so far.